श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 269

भिलाई, शनिवार 16 जुलाई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

देश में छत्तीसगढ़ मॉडल सफल, प्रदेश में बेरोजगारी की दर हुई न्यूनतम - सीएम बघेल

मुख्यमंत्री ने ''आमा पान के पतरी'' छत्तीसगढ़ी गीत गाकर कार्यक्रम में बांधा समां

श्रीकचंनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ गीत ''आमा पान के पतरी, कलेरा पान के दोना'' गीत गाकर समां बांधा। वाक्या एक निजी चैनल के द्वारा आयोजित महा संवाद कार्यक्रम का था। जब मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ी गीत गाने का आग्रह किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध लोक गायक दिलीप षडंगी को देखा और कहा जब इतने अच्छे कलाकार खुद मंच में हों, तो इससे अच्छी बात क्या होगी। मुख्यमंत्री ने दिलीप षडंगी को माइक देने के लिए कहा और उनके साथ खुद भी छत्तीसगढ़ी गीत के लाइनें गायी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश में छत्तीसगढ़ मॉडल सफल है। हम आम लोगों को सशक्त बनाने का काम कर रहे हैं। हम वह काम कर रहे हैं, जिससे आम जनता के जेब में पैसा आये और उनकी आय बढ़े। हम लोगों के हाथ में काम दे रहे हैं। इन्हीं सब प्रयासों के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर न्यूनतम है। हम अपनी प्राचीन संस्कृति के संवर्धन और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। हमने आकर्षक छत्तीसगढ़ी फिल्म नीति बनाई। स्थानीय कलाकारों को काम मिला। अब यहां के मल्टीप्लेक्स और बड़े सिनेमाघरों में छत्तीसगढ़ी फिल्म दिखाई जा रही है और बड़ी संख्या में देखने भी आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने गोधन न्याय योजना की शुरूआत की। छत्तीसगढ़ देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने गोबर खरीदी की। अब गोमूत्र की भी खरीदी करने जा रहे हैं। इससे बड़ा फायदा यह हुआ कि किसानों और

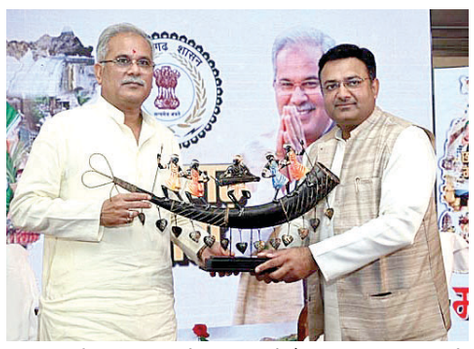

पशुपालकों की आय में वृद्धि हुई है। साथ ही सड़क में घूमने वाले मवेशियों पर रोक लगी है। लोग पशुओं को अपने घरों में या गौठानों में बांध कर रखने लगे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम नक्सल समस्या के समाधान के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं। नक्सली घटनाओं में कमी आ रही है। हमने इसके लिए 'विश्वास, विकास और सुरक्षा' की नीति अपनायी। आदिवासी समाज जल, जंगल जमीन से जुड़ा है। हमने आदिवासी समाज को विश्वास में लेकर काम करना शुरू किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही हमने सबसे पहले लोहाण्डीगुड़ा के किसानों की जमीन वापसी की। सुरक्षाबलों से कहा कि - जहां कैम्प हैं, वहां आसपास के ग्रामीणों से मिले, उन्हें विश्वास में लेकर कार्य करें। जो कैम्प में सुरक्षाबलों के लिए चिकित्सक हैं, वे आसपास के गांव के निवासियों का इलाज करें। धीरे-धीरे वहां के लोगों का सम्पर्क बढ़ा और उनका विश्वास भी बढ़ा। हमारी सरकार द्वारा व्यक्तिगत और सामुदायिक वनाधिकार पट्टा का वितरण किया जा रहा है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के पारिश्रमिक राशि में भी वृद्धि की है। 65 प्रकार के लघु वनोपज की खरीदी की जा रही है इससे आदिवासियों की आय में वृद्धि हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में जब पूरे देश में लॉकडाउन के हालात थे, तब हमने गरीबों, श्रमिकों के कल्याण के लिए कार्य किया। उद्योगपतियों से बात कर श्रमिकों को काम दिलाया। छत्तीसगढ़ पहला राज्य था, जिसमें गरीबों को 3 महीने का मुफ्त राशन दिया और राज्य सरकार की योजनाओं से लोगों को रोजगार मिला और उनकी आय बढ़ी। इस अवधि में बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ के निवासियों ने वाहनों की खरीदी की। छत्तीसगढ़ शासन की नवाचारी नीतियों को देश के अन्य राज्य भी अपना रहे हैं। नीति आयोग ने भी छत्तीसगढ़ में संचालित नवाचारी योजनाओं और कार्यक्रमों की तारीफ की है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बघेल को टीवी चैनल के प्रधान संपादक अतुल अग्रवाल ने स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

खास खबर

क्रिकेटर ने बताया हाल- पेट्रोल के लिए खड़े रहे दो दिने, प्रैक्टिस के लिए भी नहीं जा पा रहे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका में हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। यहां की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और तेल सहित कई जरूरी सामनों की भारी कमी हो चुकी है। पेट्रोल और डीजल की भारी कमी के चलते लोग कई दिनों तक कतारों में खड़े रहकर तेल भरवा रहे हैं। श्रीलंका के युवा क्रिकेटर चमिका करुणारत्ने भी इनमें से एक हैं। 2019 में अपने देश के लिए पहला मैच खेलने वाला यह खिलाड़ी श्रीलंका के आर्थिक संकट से परेशान है। शनिवार को न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में करुणारत्ने ने बताया कि दो दिन तक कतार में खड़ा रहने के बाद उन्हें तेल मिल गया है। ईंधन की भारी कमी के चलते वो अपनी प्रैक्टिस के लिए भी नहीं जा पा रहे हैं। भारत के बारे बात करते हुए करुणारत्ने ने कहा कि श्रीलंका के लिए भारत बड़े भाई की तरह है। उसने हमारी बहुत मदद की है। मैं इस समर्थन के लिए भारत को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम जानते हैं कि हम बड़े संकट से गुजर रहे हैं और भारत ने हमारी बहुत मदद की है। भारत के साथ हमारा इतिहास पहुत गहरा है। हम मौजूदा समय में संघर्ष कर रहे हैं। भारत ने हमारे लिए जो भी किया है उसके लिए हम धन्यवाद देते हैं। हम समय के साथ बेहतर होते जाएंगे।

आसमान से बरस रही आफत गोदावरी व शबरी मचा रही तबाही

कोंटा के 5 वार्ड सहित दर्जनभर गांव डूबे, बीजापुर-सुकमा का दूसरे राज्यों से संपर्क टूटा

सुकमा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में आसमान से आफत बरस रही है। सुकमा में सप्ताहभर से मूसलाधार बारिश हो रही है। बारिश की वजह से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। गोदावरी नदी के बैक वाटर से सुकमा के शबरी नदी ने तबाही मचाना शुरू कर दिया है। बाढ़ का पानी कोंटा ब्लॉक मुख्यालय तक घुस गया है। कोंटा नगर पंचायत के करीब 5 वार्ड पूरी तरह डूब चुके हैं। दर्जनभर से ज्यादा गांव भी बाढ़ में डूब गए हैं।

जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। अब तक 150 से ज्यादा परिवारों का रेस्क्यू किया जा चुका है।

शबरी नदी खतरे से निशान से 1.76 मीटर ऊपर बह रही है। गोदावरी नदी के बैकवाटर की वजह से हालात बहुत बिगड़े हुए हैं। बाढ़ से कोंटा ब्लॉक के दर्जनभर से ज्यादा गांवों में पहले ही पानी घुसा था। शुक्रवार को कोंटा नगर पंचायत के 5 वार्डों में पानी ऐसा भरा कि कई कच्चे-पक्के मकान डूब गए। प्रशासन ने 2 हजार से ज्यादा लोगों को राहत शिविरों में ठहराया है। बीजापुर में छत्तीसगढ़ को महाराष्ट्र से जोड़ने वाला एनएच तारलागुड़ा के पास 8 फीट पानी में डूब गया है। बीजापुर-सुकमा पहले ही आंध्रप्रदेश-तेलंगाना से कटे हुए हैं। अब महाराष्ट्र से भी संपर्क टूट गया है। सुकमा में राष्ट्रीय राजमार्ग 30 भी बाढ़ के पानी में डूबा हुआ है। शुक्रवार को भोपालपटनम (बीजापुर) के भी दर्जनभर गांवों में स्थानीय नालों का पानी घुसने की सूचना है।

गोदावरी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही

नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिसकी वजह से कोंटा की निचली बस्तियां बाढ़ में डूब गई है। कोंटा एसडीएम बनसिंह नेताम और कोंटा जनपद पंचायत के सीईओ कैलाश कश्यप को जिला प्रशासन ने राहत एवं बचाव के निर्देश दिए हैं। सीईओ कैलाश कश्यप ने बताया कि अब तक लगभग 2 हजार लोगों को राहत केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाया जा चुका है। कोंटा में 9 बाढ़ राहत केंद्र बनाए गए हैं। आईटीआई कोंटा, स्वामी आत्मानंद स्कूल, चैतन्य स्कूल, हाई स्कूल कोंटा, शिशु मंदिर कोंटा, महाविद्यालय भवन कोंटा, पंचायत भवन ढोंडरा, वन-धन केंद्र ढोंडरा तथा पोटकेबिन बंडा को राहत केंद्र बनाया गया है।

दक्षिण व मध्य छत्तीसगढ़ में बारिश की चेतावनी

मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा के मुताबिक एक निम्न दाब का क्षेत्र तटीय ओडिशा और उसके आसपास स्थित है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। मानसून द्रोणिका गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ, दिशा, गुना, जबलपुर, पेंड्रा रोड, हीराकुण्ड, बंगाल की खाड़ी में स्थित निम्न दाब के केंद्र से होते हुए दक्षिण-पूर्व की ओर पूर्व- मध्य बंगाल की खाड़ी तक 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके प्रभाव से 16 जुलाई को प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छीटें पड़ने की संभावना है। प्रदेश में एक दो स्थानों पर गरज चमक के साथ भारी वर्षा होने होगी। बारिश का क्षेत्र मुख्यतः मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है। दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर संभाग के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मध्य क्षेत्र में रायपुर व दुर्ग संभाग कि जिले शामिल हैं।

न्यूज पोर्टलों को भी कराना होगा रजिस्ट्रेशन, केंद्र सरकार ला रही यह विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल मीडिया को नियंत्रित करने व अखबार के बराबर मानने के लिए केंद्र सरकार एक बिल लेकर आ रही है। इस बिल को कानूनी मान्यता मिलने के बाद न्यूज पोर्टल को भी अखबारों की तरह पंजीकरण कराना आवश्यक हो जाएगा। अभी तक यह नियम सिर्फ समाचार पत्रों पर ही लागू है। दरअसल, केंद्र सरकार 155 साल पुराने प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ बुक्स एक्ट को खत्म करने जा रही है। इसके स्थान पर 'प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल बिल' लाया जाएगा। यह बिल समाचार पत्रों के लिए नई व आसान पंजीकरण व्यवस्था होगी, इसके तहत डिजिटल मीडिया को भी लाने की तैयारी है। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार मानसून सत्र के दौरान ही इस बिल को पेश कर सकती है। जानकारी के मुताबिक, यह विधेयक प्रेस और पुस्तकों के पंजीकरण (पीआरबी) अधिनियम, 1867 की जगह लेगा। इसके तहत मध्यम व छोटे प्रकाशकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल रखा जाएगा और प्रेस की स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखा जाएगा।

सरकार ने 2019 में ही प्रेस एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल बिल का मसौदा जारी किया था, जिसमें समाचार पत्रों के पंजीकरण की प्रक्रिया को आसान बनाने के अलावा डिजिटल मीडिया को अपने दायरे में लाने का प्रावधान है। 2019 के ड्राफ्ट बिल में 'डिजिटल मीडिया पर समाचार' को 'डिजीटल प्रारूप में समाचार' के रूप में परिभाषित किया था, जिसे इंटरनेट, कंप्यूटर, मोबाइल नेटवर्क पर प्रसारित किया जा सकता है। इसमें टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो और ग्राफिक्स शामिल हैं।

आर्थिक तंगी ने किया मजबूर, उल्टी खाट पर शव रखकर 25 किमी पैदल निकले परिजन, 10 किमी बाद पुलिस ने की मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। आर्थिक तंगी ने एक परिवार को बुजुर्ग महिला के शव को खाट पर रखकर पैदल गांव तक चलने मजबूर कर दिया। एक महिला व 3 पुरुष सदस्य खाट को उल्टा करके उसमें महिला का शव रखकर रेंगानार से निकले थे। करीब 25 किलोमीटर दूर टिकनपाल ग्राम पंचायत का फासला उन्हें तय करना था। शव को लकड़ी के सहारे कंधे पर ढोकर लगभग 10 किमी का सफर उन्होंने तय कर लिया। इस बीच कुआकोंडा थाना को सूचना मिली तब पुलिस ने मानवता का

परिचय देते हुए वाहन की व्यवस्था कर शव को गांव भिजवाया। मिली जानकारी के मुताबिक टिकनपाल गांव की रहने वाली महिला जोगी पोडियाम की किसी बीमारी की वजह से रेंगानार में मौत हो गई। आर्थिक परेशानी की वजह से परिजनों को शव गांव तक ले जाने खाट का सहारा लेना पड़ा। खाट को उल्टा कर उसमें रस्सी बांधी, फिर कंधे से उठाकर पैदल टिकनपाल गांव जाने के लिए निकल पड़े। यह परिवार रास्ते पर शव को कंधे पर ढोकर चल रहा था। तभी एक स्थानीय मीडियाकर्मी की नजर इस पर पड़ी। उन्होंने परिजनों से पूछा तब जानकारी मिली कि शव को रेंगानार से 25 किलोमीटर दूर टिकनपाल लेकर जा रहे हैं। उनके पास गाड़ी किराया करने के लिए रुपये नहीं है। मृतक महिला के परिजन इस बात से भी अनभिज्ञ हैं कि उन्हें अस्पताल से शव को घर ले जाने मुक्तांजलि वाहन की सुविधा मिल सकती है।

विकास का मुंह चिढ़ा रही यह तस्वीर

मीडियाकर्मी ने कुआकोंडा थाना प्रभारी चंदन कुमार को सूचना दी। कुछ देर में पुलिस टीम के साथ वह मौके पर पहुंचे। उन्होंने पिकअप वाहन की व्यवस्था की। कुछ जवानों को साथ भेजकर शव को टिकनपाल गांव भिजवाया। बता दें कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी बस्तर संभाग में ऐसी तस्वीरे देखने को मिल जाती है। कभी मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने खाट पर ले जाना पड़ता है। सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार सही ढंग से नहीं होने का खामियाजा वनांचल में बसे आदिवासियों को भुगतान पड़ रहा है। खाट पर शव ले जाने के दौरान रास्ते में पढ़े-लिखे लोग भी गुजरे होंगे, लेकिन किसी ने रुककर मदद के लिए नहीं पूछा। अति नक्सल प्रभावित कुआकोंडा ब्लॉक से निकलकर सामने आई यह तस्वीर विकास का दावा करने वालों के मुंह पर तमाचा है।

बढ़ने लगा कोरोना का संक्रमण, 453 नए मरीज मिले एक्टिव केस 2389, मुफ्त बूस्टर डोज भी लग रहे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को प्रदेश में 453 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 2389 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 432 रायपुर व 416 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य की सीमाओं और सभी एयरपोर्ट पर कोविड जांच अनिवार्य किया है। स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करें। टीकाकरण और बूस्टर डोज जरूर लगवाएं। छत्तीसगढ़ में शुक्रवार से कोरोना टीके का बूस्टर डोज मुफ्त में लगना शुरू हो गया है। प्रीकॉशन अथवा बूस्टर डोज सभी सरकारी टीकाकरण केंद्रों में उपलब्ध है।

इन जिलों में मिले कोरोना के मरीज

24 घंटे में प्रदेश के 25 जिलों में कोरोना के 453 नए मरीज मिले हैं। दुर्ग जिले में 88, रायपुर में 61, राजनांदगांव में 55, कोरबा में 34, बेमेतरा में 28, बालोद में 24, बिलासपुर में 22, सरगुजा में 18, जांजगीर-चांपा में 16, बलौदाबाजार में 15, महासमुंद में 13, कबीरधाम व मुंगेली में 11-11, बलरामपुर में 10, रायगढ़ में 9, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 8, बस्तर एवं कोरिया में 7-7, जशपुर में 4, धमतरी में 3, नारायणपुर, गरियाबंद, कांकेर एवं सूरजपुर में 2-2 व कोंडागांव जिले में 1 मरीज की पुष्टि हुई है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष मिश्रा ने कहा कि सावधानी जरूरी है। सभी कोविड गाइडलाइंस का पालन करें। मास्क का उपयोग करें और लक्षण होने पर टेस्ट जरूर करा लें।

छत्तीसगढ़ में माईबाप की जिम्मेदारी तय

दीपक रंजन दास

ओहदा का मतलब सिर्फ बड़ा दफ्तर और घूमने वाली कुर्सी नहीं होती। ऐसे कर्मचारियों/अधिकारियों पर जिम्मेदारी भी ज्यादा होनी चाहिए। जारी सप्ताह में छत्तीसगढ़ में हुई दो घटनाओं ने इसका तगड़ा इशारा किया है। मंदिरहसौद के हायर सेकण्डरी स्कूल में प्राचार्य समेत 11 लोग समय पर ड्यूटी नहीं पहुंचे थे। उनकी अनुपस्थिति में स्कूल शिक्षा सचिव स्कूल पहुंच गए। उन्होंने हाल-चाल देखा। बच्चों की पढ़ाई लिखाई की प्रगति देखी और यह भी देखा कि निःशुल्क वितरण के लिए आई पुस्तकें एक कमरे में डंप पड़ी हैं। उन्होंने तत्काल जिम्मेदारी तय कर दी। लेट आने वालों की आधे दिन की तनख्वाह काटने के निर्देश दिए। अनुपस्थित शिक्षकों की एक वेतन वृद्धि रोक दी। स्कूल के सही संचालन के लिए जिम्मेदार प्राचार्य की दो वेतन वृद्धि रोकने के आदेश दिए। दूसरी सख्ती उच्च न्यायालय ने दिखाई। 45 बार वारंट जारी करने के बाद भी एक सब इंसपेक्टर गवाही देने कोर्ट नहीं आ रहा था। नाराज कोर्ट ने चार आईपीएस अफसरों को समन भेज दिया। पढ़ने सुनने में तो अच्छा लगता है कि जिम्मेदारों को घसीटा गया पर वास्तविकता यही है। सरकारी नौकरी मिल जाने के बाद लोगों के पर निकल आते हैं। उन्हें अपनी जिम्मेदारियों से ज्यादा अपने अधिकारों का पता होता है। सरकारी अधिकारी अपना काम करे या न करे, उसकी मर्जी। वह आम आदमी को सताए, उससे बदतमीजी करे तो कोई बात नहीं पर यदि जनता ने उसे उसका काम सिखाने की कोशिश की तो उसपर सरकारी कामकाज में व्यवधान उत्पन्न करने का मामला दर्ज हो सकता है। बदतमीज सरकारी आदमी अपने अधिकारी तक को नहीं बख्शता। उसे पता है कि विभागीय अधिकारी उसका ज्यादा कुछ बिगाड़ नहीं सकता। वैसे भी प्रदेश में खेती किसानी का सीजन चल रहा है। शिक्षक तो शिक्षक, बच्चे भी खेती किसानी में हाथ बंटाने के लिए शाला से गायब हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अकसर यही होता आया है। पर इसके चलते सरकारी स्कूलों में शिक्षा बाधित होती है। सरकार की तमाम महत्वाकांक्षाएं और योजनाएं धराशायी हो जाती हैं। पहले खेती किसानी और फिर तीज त्यौहार। पढ़ाई के नाम पर सिर्फ लीपापोती ही हो पाती है। जिस कारण से लोग नौकरियों से गायब होते हैं, अगर उसमें मुनाफा ज्यादा हो तो आधे दिन की छुट्टी या वेतन वृद्धि रोके जाने का कोई खास फर्क नहीं पड़ता। बस नौकरी सलामत रहनी चाहिए। लोगों की सरकारी नौकरी सलामत रहे, इसके लिए एक पूरी मशीनरी पहले से तय है। सालों निलंबित रहने के बाद भी वह पूरे लाभ के साथ दोबारा काम पर लौट आता है। अब इसपर अंकुश लगाने का वक्त आ गया है। सेना की तरह 4-4 साल की भर्ती न भी संभव हो सके तो नौकरी से सीधे बर्खास्त किये जाने का प्रावधान होना चाहिए। बिना 'दांत-नख' का अधिकारी किसी से काम ले भी तो कैसे?

विधायक को नक्सलियों की खुली धमकी, स्टेट हाईवे पर बांधा बैनर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में माओवादियों ने विधायक के खिलाफ बैनर लगाए हैं। पखांजूर से बांदे जाने वाले स्टेट हाईवे क्रमांक-25 पर लगाए बैनर में विधायक को आदिवासियों का विरोधी बताया गया गया है। खदान मालिकों का एजेंट बताते हुए कांग्रेसी विधायक का बहिष्कार करने का आह्वान भी किया गया है। नक्सलियों ने यह बैनर पखांजूर थाना से महज 6 किमी की दूरी पर लगाया है। माओवादी बैनर-पोस्टर के बाद विधायक की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

नक्सलियों ने बैनर में कांकेर जिले के अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक अनूप नाग का नाम लिखा है। उसे खदान मालिकों का एजेंट बताते हुए उसका बहिष्कार करने आदिवासियों को कहा गया है। नक्सलियों ने विधायक को धमकी देते हुए उन्हें पुलिस की बुद्धि से चलने वाला बताया है। बैनर में विधायक अनूप नाग को आदिवासियों का विरोधी भी बताया है। जल, जंगल, जमीन और आजीविका के लिए आदिवासियों को विधायक से दूर रहने कहा गया है।

अनूप नाग के खिलाफ नक्सलियों द्वारा बैनर लगाए जाने की सूचना के बाद विधायक की सुरक्षा बढ़ा दी गई। वहीं मौके पर जब पुलिस पहुंची तो बैनर गायब मिले।

संपादकीय

अब मंकीपॉक्स

पिछले तीन महीने से जिस मंकीपॉक्स की बड़ी चिंता के साथ चर्चा जारी थी, वह आखिरकार भारत पहुंच ही गया। मंकीपॉक्स को देश में आने से रोकने में हम कामयाब नहीं हुए। यूएई से केरल लौटे 35 वर्षीय व्यक्ति में मंकीपॉक्स के लक्षण पाए गए हैं और उसे अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है। उस व्यक्ति के संपर्क में आने वाले तमाम लोगों की निगरानी अगर जरूरी है, तो सरकार को इसमें कोताही नहीं बरतनी चाहिए। ऐसे ही विदेश से आकर एक-एक कर देश में कोरोना फैला था। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं, लेकिन क्या अभी देश के हवाई अड्डों पर पर्याप्त जांच की जा रही है? क्या मास्क की अनिवार्यता जारी है? क्या तापमान की जांच हो रही है? क्या पर्याप्त शारीरिक दूरी बरती जा रही है? सच यह है कि भारतीय हवाई अड्डों पर मेले जैसा आलम है और विदेश से आने वाली बीमारियों को रोकना आसान नहीं है।

> विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें, तो दुनिया के 27 से ज्यादा देशों में मंकीपॉक्स के 800 से ज्यादा मामले मिल चुके हैं। ऐसे में, भारत और विशेषकर केरल को अपनी ज्यादा चिंता करनी चाहिए। पिछले ढाई वर्ष से यह सुंदरतम प्रदेश कोरोना मामलों में भी आगे रहा है और अब मंकीपॉक्स के संक्रमण ने उसकी उज्ज्वल छवि को प्रभावित किया है। पर्यटन मानचित्र पर अपने सम्मान की रक्षा के बारे में भी केरल के लोगों और प्रशासन को सोचना चाहिए।

अव्वल तो लोगों को पर्याप्त रूप से जागरूक करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने राज्य की मदद के लिए एक उच्च स्तरीय टीम भेजी है, लेकिन ज्यादा जरूरी यह है कि हवाई अड्डों पर तत्काल निगरानी बढ़ाई जाए। सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की व्यावहारिकता को भी जांच लेना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति त्वचा की बीमारी छिपाकर लौट रहा है, तो उससे कोई कैसे सावधान रह सकता है? दिशा-निर्देश तो एयरलाइंस के लिए जारी होने चाहिए कि वे त्वचा रोगियों पर खास नजर रखें, संदेह की स्थिति में किसी यात्री या मरीज को यात्रा न करने दें। ध्यान रहे, अपने देश में त्वचा के किसी रोग को छिपाने की हरसंभव कोशिश होती है। मंकीपॉक्स ऐसी गलत प्रवृत्ति के प्रति हमें सावधान कर रहा है। हमें न केवल साफ-सफाई, बल्कि मांसाहार इत्यादि को लेकर भी सावधान रहना चाहिए। यह कहीं भी कुछ खा लेने या बैठ जाने का दौर नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने जंगली जानवरों के मांस के सेवन या बनाने और उनसे तैयार होकर अफ्रीका से आने वाले क्रीम, लोशन, पाउडर जैसे उत्पादों के इस्तेमाल से बचने के लिए कहा है। साथ ही, जंगली जानवरों से दूरी रखने की बात भी कही गई है। बीमार लोगों या संक्रमित जानवरों के संपर्क में आई चीजों का उपयोग नहीं करने की भी सलाह दी गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मंकीपॉक्स वायरल जूनोसिस है (जानवरों से इंसानों में फैलने वाला वायरस), जिसमें चेचक जैसे लक्षण होते हैं। हालांकि, चिकित्सकीय दृष्टि से यह कम गंभीर है, लेकिन गंदा दिखने और दर्द के मामले में यह बीमारी बहुत दुखद है। एक सकारात्मक बात है कि इससे एक भी मौत अभी तक नहीं हुई है, लेकिन इस वजह से इलाज या सावधानी में ढिलाई नहीं होनी चाहिए। मंकीपॉक्स पीड़ित भारतीय को बहुत तेज बुखार है और शरीर पर छाले पड़ गए हैं। यह पीड़ित यूएई में एक संक्रमित के संपर्क में आया था, लेकिन कोशिश करनी चाहिए कि वह भारत में किसी के संपर्क में न आए। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें, तो दुनिया के 27 से ज्यादा देशों में मंकीपॉक्स के 800 से ज्यादा मामले मिल चुके हैं। ऐसे में, भारत और विशेषकर केरल को अपनी ज्यादा चिंता करनी चाहिए। पिछले ढाई वर्ष से यह सुंदरतम प्रदेश कोरोना मामलों में भी आगे रहा है और अब मंकीपॉक्स के संक्रमण ने उसकी उज्ज्वल छवि को प्रभावित किया है। पर्यटन मानचित्र पर अपने सम्मान की रक्षा के बारे में भी केरल के लोगों और प्रशासन को सोचना चाहिए।

तुष्टि, तृप्ति और फफोले!

भाजपा बम-बम है। स्वाभाविक है। नूपुर शर्मा प्रकरण और उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या से हिंदू बनाम मुस्लिम रिश्तों का निर्णायक राजनीतिक मोड़ है। आश्चर्य नहीं जो हैदरबाद की भाजपा कार्यकारिणी की बैठक में भविष्य के रोडमैप के लिए प्रधानमंत्री मोदी के मुंह से दो टूक डायलॉग सुनने को मिले। उनका कहना था कि तुष्टिकरण खत्म कर हमने तृप्तिकरण का रास्ता अपनाया है! क्या अर्थ है इस वाक्य का? सीधी बात है कि तुष्टिकरण, जहां मुसलमान से जुड़ा जुमला है वही तृप्तिकरण हिंदुओं के लिए। संघ परिवार की जो-जो चाहना थी उसकी तृप्ति और पूर्ति का रास्ता।

हैदराबाद का यह दो टूक ऐलान यूपी चुनाव, आजमगढ़ उपचुनाव, नूपुर शर्मा-कन्हैयालाल प्रकरण के साथ देश के हिंदुओं के मूड़ का भी खुलासा है। भविष्य की भाजपा राजनीति का एजेंडा व नैरेटिव है। ध्यान रहे नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में 'हैदराबाद' को भाग्यनगर कहा तो यह भी हिंदू भावना को तृप्त करने के मिशन का प्रमाण है। हैदराबाद का मुस्लिम नाम बदल कर हिंदू नाम पुराने शहर के भाग्यलक्ष्मी मंदिर पर हो, इसकी चाह लोकल हिंदुओं में थी। तभी सोचें प्रधानमंत्री के मुंह से भाग्यनगर शब्द सुन हिंदू कितने खुश हुए होंगे। सरदार पटेल द्वारा अखंड भारत की यहीं नींव रखी गई या हैदराबाद भाग्यनगर है, जो हम सभी के लिए अहमियत रखता है, जैसी बातों का अर्थ है तुष्टि बनाम तृप्ति पर हिंदू बनाम मुस्लिम वोटों का आगे और ध्रुवीकरण। उस नाते यदि संघ, भाजपा और सरकार में किसी भी तरह की कोई किंतु-परंतु थी तो वह नूपुर शर्मा, कन्हैयालाल प्रकरण के दोनों समुदायों पर असर की सघनता के बाद खत्म है।

निश्चित है मोदी सरकार की हिंदू परिप्रेक्ष्य में यह उपलब्धि है जो अनुच्छेद 370 खत्म हो गई। मंदिर बन गया। विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने, तीन तलाक जैसे कानून बने। संसद, विधानसभाओं और राजकाज में मुसलमानों की वह भूमिका, दबदबा, प्रतिनिधित्व भी खत्म प्राय है, जो 2014 से पहले था। मुसलमानों के तुष्टिकरण को खत्म कर मुसलमान को लेकर हिंदुओं के मन में जो भी सोच थी उसकी पूर्ति और हिंदू की तृप्ति के फॉर्मूले पर जितना सोचेंगे उसमें ध्रुवीकरण के नए-नए रास्ते खुलेंगे। हैदराबाद की भाजपा कार्यकारिणी में अमित शाह का यह कहा भी मायने वाला है कि अगले 30-40 वर्षों तक भारतीय जनता पार्टी का युग रहेगा। तेलंगाना और पश्चिम बंगाल सहित उन सभी राज्यों में भाजपा की सरकारें बनेंगी, जहां पार्टी अभी तक सत्ता से दूर है। तेलंगाना की केसीआर सरकार की स्टीयरिंग ओवैसी के पास है। सोचें, बंगाल, तेलंगाना या केरल में भाजपा का यदि मंसूबा बढ़ता हुआ है तो जाहिर है आगे की रणनीति पूरे देश के हिंदुओं में तृप्ति बनाने की है।

हरिशंकर व्यास

> **श्रीलंका सरकार ने ईंधन की गंभीर कमी के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को दो सप्ताह के लिए घर से काम करने का आदेश दिया है। भारत की स्थिति श्रीलंका से भिन्न है क्योंकि भारत की आधारभूत संरचना और कृषि का ढांचा मजबूत है। भारत के लोगों को मुद्रास्फीति के उच्च स्तर के साथ कार्य करने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करन पड़ेगा ।**

भारत में मुद्रास्फीति और ईंधन की कीमतें

प्रो. के पी यादव, कुलपति, मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर

मुद्रास्फीति अर्थशास्त्र में सबसे लोकप्रिय शब्दों में से एक हो सकती है । मुद्रास्फीति और कुछ नहीं बल्कि वार्षिक कीमतों में वृद्धि की दर है और जब हम उपभोक्ता मुद्रास्फीति के बारे में सुनते हैं, तो यह एक साल पहले की तुलना में उपभोक्ताओं की वस्तुओं के मूल्य स्तर में वृद्धि होती है । केंद्रीय बैंकर अक्सर इसे महंगाई के रूप में जानते हैं ।

भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। दैनिक रूप से कच्चे तेल की कीमतें वैश्विक कीमतों से जुड़ी हुई हैं और उच्च कर दरों के अधीन हैं - उत्पाद शुल्क और राज्य वैट लगभग 54त्न । साथ ही पेट्रोल और डीजल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों के बेस प्राइस में फ्रेट चार्ज और डीलर्स कमीशन जोड़ा जाता है । कच्चा तेल एक प्रमुख आर्थिक इनपुट है, इसलिए तेल की कीमतों में वृद्धि मुद्रास्फीति में योगदान करती है, जो अर्थव्यवस्था में कीमतों में वृद्धि की समग्र दर को मापती है । यू.एस. और उसके सहयोगियों ने यूक्रेन पर आक्रमण के कारण रूस पर जब प्रतिबंध लगाए थे तब कच्चे तेल की कीमतें एक दशक में सबसे अधिक थीं ।

रूस तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के दुनिया के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है । अंतर्राष्ट्रीय एनर्जी एजेंसी (आईईए) के अनुसार रूस वैश्विक बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक और सऊदी अरब के बाद दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल निर्यातक है । रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक (अमेरिका और सऊदी अरब के बाद) है । यह वैश्विक उत्पादन का 14 प्रतिशत अथवा 7-8 मिलियन बैरल प्रति दिन कच्चे तेल की आपूर्ति दुनिया भर के बाजारों में करता है।

मार्च 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 14 साल के उच्च स्तर 130 डॉलर (वायदा) प्रति बैरल पर पहुंच गईं। ईंधन और बिजली जिसका कुल थोक मूल्य सूचकांक (थोक मूल्य मुद्रास्फीति) में 13.152त्न भार है । (कोयला: 2.13त्न, कच्चा तेल: 7.950त्न और बिजली: 3.064त्न) तो भारत में ईंधन की कीमत का पूर्वानुमान वैश्विक तेल की कीमत पर निर्भर करेगा और सरकार बार-बार स्थानीय ईंधन की कीमत में सामंजस्य के साथ-साथ अर्थव्यवस्था में वृद्धि का प्रयास करती है ।

खुदरा और थोक मुद्रास्फीति दोनों का ईंधन घटक पिछले कुछ महीनों में तेजी से बढ़ रहा है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि अन्य वस्तुओं की कीमतों में भी व्यापक प्रभाव रूप से प्रभाव डालती है । जो व्यवसाय इन लागतों को पारित करने में असमर्थ हैं, उन्हें अपने मुनाफे पर प्रहार करना होगा । बड़े व्यवसायों की तुलना में छोटे व्यवसाय इस दबाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, चूंकि देश भर में अधिकांश सामानों के परिवहन के लिए ईंधन का उपयोग किया जाता है, अन्य वस्तुओं की लागत और कीमतों में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है ।

यह सब अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में 16 महीने के उच्च स्तर 7.79 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो लगातार चौथे महीने भारतीय रिजर्व बैंक के 2-6 प्रतिशत के मध्यम अवधि के लक्ष्य के अपर बैंड को तोड़ रहा है । लेकिन सरकार किसी भी समय करों में कटौती के विचार को पसंद नहीं करती है क्योंकि उसकी चालू वित्त वर्ष में 7.5 लाख करोड़ खर्च करने की योजना है, जो लगभग दो दशकों में पूंजीगत व्यय के लिए इसका उच्चतम आवंटन है । इसके अन्य मौजूदा खर्च भी हैं जैसे गरीबों के भोजन के लिए सब्सिडी और विशेषकर कृषि के लिए उर्वरक, यदि वैश्विक वस्तुओं की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो इनमें और तेजी आने की संभावना है ।

यदि आप अपने उत्पाद शुल्क में कटौती करते हैं और फिर भी आपको उर्वरकों पर अधिक सब्सिडी का भुगतान करना पड़ता है और आप अपने उधार कार्यक्रम को बढ़ाते हैं, तो आप अंत में दर को बढ़ा देते हैं जिस पर भारत सरकार धन उधार ले सकती है। अधिक खर्च से नई दिल्ली का बजट घाटा व्यापक होगा, जिससे इस अंतर को पूरा करना अधिक महंगा हो जाएगा । मैक्रोइकॉनॉमिक प्रभाव, भले ही आप इसे बहुत सरलता से समझाएं, काफी जटिल होते हैं । ईंधन पर उत्पाद शुल्क में कटौती करना है या नहीं, यह एक अलग निर्णय नहीं है ।

तेल की कीमतों में वृद्धि का प्रभाव हमारे द्वारा उपयोग की जाने वाली लगभग सभी वस्तुओं और सेवाओं में पड़ता है। तेल की कीमतें हर चीज की कीमत को प्रभावित करती हैं । भारत के पड़ोसी देश श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट तेल की कीमतों में वृद्धि के रूप में देखा गया। परीक्षा के समय बिजली की कटौती विद्यार्थियों को अध्ययन से वंचित कर देती है। खाली टैंकों की वजह से वाहन फंसे हुए हैं और ऊर्जा संरक्षण के लिए शॉपिंग मॉल के एयर कंडीशनर को बंद किया जा रहा है । श्रीलंका सरकार ने ईंधन की गंभीर कमी के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को दो सप्ताह के लिए घर से काम करने का आदेश दिया है। भारत की स्थिति श्रीलंका से भिन्न है क्योंकि भारत की आधारभूत संरचना और कृषि का ढांचा मजबूत है। भारत के लोगों को मुद्रास्फीति के उच्च स्तर के साथ कार्य करने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करन पड़ेगा ।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

समाज में धुलते गुस्से का जगह-जगह इजहार

शंभूनाथ शुक्ल, वरिष्ठ पत्रकार

भले यह अनायास हुआ हो, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीक अशोक चिह्न के सिंहों की मुद्रा हिंसक कर देने से यह तो लगता ही है कि समाज में अब करुणा, दया और ममता के स्थान पर रौद्र व वीभत्स प्रतीक ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। लोग कह सकते हैं कि सिंह की स्वाभाविक मुद्रा है उसका रौद्र रूप, किंतु आज से 22-23 सौ वर्ष पहले सम्राट अशोक ने जो शांति संदेश फैलाया था, उसमें सिंहों की मुद्रा भी शांत दिखाई गई। यह अद्भुत मुद्रा की कल्पना है, यानी सिंह के अंदर भी दया और करुणा का भाव होता है। यहां सिंह से आशय चंड अशोक से था, जिसने कलिंग के मैदान में लाखों लोगों को मारा था। बौद्ध धर्म के प्रभाव से उसमें करुणा का भाव प्रस्फुटित हुआ, इसीलिए आजादी के बाद हमारे संविधान में इस मुद्रा को राष्ट्रीय प्रतीक माना गया। किंतु अब दहाड़ते हुए सिंह दिखाए गए हैं। यह कहीं न कहीं समाज के बदलते हुए स्वरूप का आभास है, जिसमें हिंसा का प्राधान्य है।

हम इसको यूं भी देख रहे हैं कि हमारे देवी-देवताओं का चित्रांकन भी अब रौद्र रूप में हो रहा है। जिन राम, कृष्ण, परशुराम को वीर तो बताया गया है, लेकिन उनकी मुद्रा सदैव शांत दिखाई जाती रही, उन्हें भी अब क्रोधित मुद्रा में दिखाया जा रहा है। सबसे लोकप्रिय देवता हनुमान के चित्र हम संजीवनी पर्वत लिए हुए देखते रहे हैं। उनके चित्र भी अब रौद्र स्वरूप में बनाए जा रहे हैं। पूरी रामचरितमानस में रामचंद्र जी सिर्फ एक बार गुस्सा होते हैं, जब लंका अभियान के समय उनकी विनती पर समुद्र नहीं पसीजता। तुलसीदास जी लिखते हैं- बिनय न मानत जलधि जड़, गए तीनि दिन बीति। बोले राम सकोप तब, भय बिन होइ न प्रीति!! इसी तरह कृष्ण जी के भी सिर्फ एक बार क्रोधित होने का वर्णन हमें मिलता है, वह भी तब, जब सत्ता के मद में चूर दुर्योधन उन्हें बंदी बनाने चला था। इसका वर्णन रामधारी सिंह दिनकर ने रश्मिरथी में किया है। वह लिखते हैं- हरि ने भीषण हुंकार किया, अपना स्वरूप विस्तार किया। डगमग-डगमग दिग्गज डोले, भगवान कुपित होकर बोले। जंजीर बढ़ाकर साध मुझे, हां-हां दुर्योधन बांध मुझे।

जाहिर है, हमारे समाज में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं रहा है। कोशिश यही की जाती रही कि प्यार और समझाने से ही सिद्धि की प्राप्ति हो। महात्मा गांधी ने भी अहिंसा, करुणा और प्रेम को अपना हथियार बनाया था। मगर अब समाज में गुस्सा भर रहा है, और इसी वजह से कट्टरता भी। मजे की बात है कि दुनिया के सारे धर्म खुद को शांति दूत और करुणा का अवतार बताते हैं। मगर हिंसा उनके अनुयायियों में इस कदर भर गई है कि म्यांमार और श्रीलंका जैसे बौद्ध देशों में भी दूसरे धर्म वालों के साथ बराबरी का व्यवहार नहीं होता। पाकिस्तान का भी यही हाल है, यही स्थिति अब भारत में आ रही है। धार्मिक या सामुदायिक कट्टरता तब आती है, जब समाज में गरीबी, बेकारी, बेरोजगारी और असंतोष बढ़ता है। इस असंतुष्टि को दबाए रखने में धार्मिक कट्टरता बहुत सहायक होती है, क्योंकि जो गुस्सा व्यवस्था के प्रति था, वह अंतत: समाज के अंदर घुल जाता है, और लोग परस्पर उन्मादी होने लगते हैं।

एक कट्टर समाज अपने सारे प्रतीकों को लेकर एक भय से भर जाता है, इसलिए भले वह अल्पसंख्यक हो अथवा बहुसंख्यक, वह अपनी खोल में सिकुड़ता जाता है। अपनी सामुदायिक और धार्मिक पहचान बनाए रखने के लिए कट्टर लोग इतने अधिक प्रयत्नशील होने लगते हैं कि थोड़ी-सी भी उदारता उन्हें खटकती है। शिक्षा को लेकर भी वे खिलवाड़ करते हैं। इस अभ्यास से जो समाज पनपता है, उसमें साहस के स्थान पर दिखाऊ बहादुरी स्थान लेती है। यही कारण है कि हम आज जो प्रतिमाएं अथवा चित्र देखते हैं, उनमें वह शांति नहीं दिखती, जो हमारे मस्तिष्क में है।

आखिर हर समुदाय अपनी खोल में क्यों जा रहा है? इसका एक ही जवाब है। उदारता सदैव समाज को हेल-मेल वाला बनाती है, लेकिन कट्टरता उसे एक खोल में बंद कर देती है। इस वजह से भिन्न-भिन्न समुदायों के बीच दूरी बढ़ती है। यह दूरी एक-दूसरे के प्रति संशय पैदा करती है, जिस कारण हम अपने मूल स्वभाव से विचलित होकर एक ऐसी वीर पूजा वाली छवि के दीवाने हो जाते हैं, जो किसी दुष्ट-दलन की नहीं, बल्कि दूसरे समुदाय को भयभीत करने वाली छवि होती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

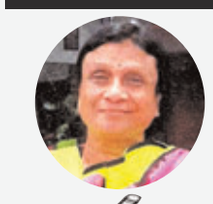

खुद आग बनकर
घूमते हो, जला देते
हो शब्दों से,
शीतलता कहीं भी
नहीं, तुम्हारे आचरण
व्यवहार, चरित्र में।

-अंजली जैन
7024460938

आबे के बाद बड़ी हुई चीन की चुनौती

अजीत द्विवेदी

आबे की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या के बाद क्वाड के देशों- अमेरिका, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एक साझा बयान में कहा कि आबे की स्मृति के सम्मान में ये देश क्षेत्रीय शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए दोगुना काम करेंगे। यहीं आबे की स्मृति को सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि अमेरिका, भारत और ऑस्ट्रेलिया मिल कर क्षेत्रीय संप्रभुता की रक्षा करें और चीन की विस्तारवादी नीतियों को रोकें।

भारत में परिवारवाद, वंशवाद आदि को लेकर चल रही गैरजरूरी बहसों के बीच भारत और विश्व मीडिया में बेहद गर्व के साथ यह बात बताई जा रही है कि जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी के नेता थे। उनके नाना जापान के प्रधानमंत्री थे और पिता जापान के विदेश मंत्री थे। वे खुद जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने अपने करीब 15 साल के कार्यकाल में जापान को एक नई दिशा दी और साथ ही विश्व परिदृश्य को बदलने में भी अहम भूमिका निभाई। वे हमेशा कहते रहे कि वे जैसे हैं वैसा उनको बनाने में उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि ने बड़ी भूमिका निभाई है। असल में उनके नाना ऐसे समय में देश के प्रधानमंत्री बने थे, जब जापान अपने अस्तित्व के सबसे मुश्किल समय से गुजर रहा था। दूसरे विश्वयुद्ध में दो परमाणु हमले का शिकार होकर लगभग नष्ट हो चुके जापान के शुरुआती दिनों में उनके नाना नोबुशुके किशी ने जापान की कमान संभाली थी।

सो, आबे को राजनीति के साथ साथ विरासत में वो तमाम कहानियां भी मिली, जो बताती थीं कि कैसे राख से उठ कर कोई देश दुनिया का सबसे समृद्ध देश बनता है। छोटे से आबे ने अपने नाना से यह कहानी भी सुनी थी कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें कैसा सम्मान दिया था। नोबुशुके किशी जापान के पहले प्रधानमंत्री थे, जो भारत के दौरे पर आए थे। युद्ध समाप्त होने के 12 साल बाद 1957 में जब वे भारत आए तो नेहरू ने भारतीयों के सामने उनका परिचय यह कहते हुए दिया था कि 'ये जापान के प्रधानमंत्री हैं, वह देश जिसे मैं बहुत उच्च सम्मान के स्थान पर रखता हूं'। बहुत बाद में आबे ने इस बात को याद करते हुए कहा था कि एक हारे हुए मुल्क के नेता को निश्चित रूप से नेहरू की यह बात बहुत अच्छी लगी होगी। आबे जब प्रधानमंत्री बने और भारत के साथ संबंधों को नई दिशा और नई ऊंचाई पर ले जाने का प्रयास शुरू किया तब भी उन्होंने कई बार नेहरू को याद किया। क्योंकि उन्हें एक विरासत को आगे बढ़ाना था, जिसमें 1998 के परमाणु परीक्षण के बाद एक विराम आ गया था। हालांकि भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री योशिरो मोरी ने परमाणु परीक्षण के बाद के प्रतिबंधों के बावजूद सन् 2000 में वैश्विक साझेदारी का एक करार किया था और उस समय दोनों देशों के संबंधों में बदलाव आना शुरू हो गया था।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे

9827806026, 7869620239

Sanitary And Pipes Shop
Shree Hanuman Enterprises
Deals In: Sanitary, Hardware, PVC and CPVC Pipes, Water Tanks & Kitchen Sinks etc.
Deepak Kumar Shrivastava
7771831789
7974777438
Meenakshi Nagar, Beside of New Culcutta Sweets, Borsi Road, Durg (C.G.)-491001

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

छत्तीसगढ़ के दृष्टिबाधित छात्र रघुनाथ ने सबल अवार्डस् में जीता तीसरा पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती भेंड़िया ने दी बधाई और शुभकामनाएंजीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की ललक इन्सान में नई उर्जा और उत्साह का संचार करती है। व्यक्ति की प्रतिभा और लगन उसे अपने सपने को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है। मेरा भी सपना किसी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा की बदौलत अपने परिवार का नाम करना है। यह कहना है सुकमा जिले के आकार संस्था में 10वीं कक्षा में अध्ययनरत दिव्यांग छात्र रघुनाथ नाग का।

इन्होंने हाल ही में झारखण्ड राज्य के जमशेदपुर में टाटा स्टील फाऊंडेशन द्वारा दिव्यांग बच्चों की विशिष्ट कला प्रतिभा को प्रोत्साहित करने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सबल अवार्डस् में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व किया। रघुनाथ ने 17 राज्यों के प्रतिभागियों के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और तीसरा पुरस्कार अपने नाम किया।

रघुनाथ पूर्णत: दृष्टिबाधित हैं मगर उनके हौसले और जीवन जीने का अंदाज प्रेरणादायक है। उनमें गजब की गायन प्रतिभा है, हार्मोनियम वादन के साथ ही रघुनाथ ने ''ऐसी लागी लगन...'' गाकर सुरों का ऐसा समा बांधा कि सब मंत्रमुग्ध रह गये। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया और सुकमा कलेक्टर श्री हरिस. एस ने रघुनाथ को इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए बधाई और आगामी सफलताओं के लिए शुभकामनाएं दी। रघुनाथ को सबल फाऊंडेशन द्वारा प्रशस्ति पत्र और 10 हजार का चेक पुरस्कार प्रदान किया गया है।

सुकमा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम सोनाकुकानार के निवासी रघुनाथ नाग, पांच भाई बहनों में चौथे हैं। जन्म से ही दृष्टिबाधित रघुनाथ ने दुनिया अपने मन की आखों से देखी और इनमें रंग भरे हैं। करीब 12 वर्ष की उम्र में रघुनाथ के पिता श्री सोनु राम नाग ने उसका दाखिला जिले के आकार संस्था में करवाया, जहां दिव्यांग बच्चों को विशेष देखरेख के साथ ही शिक्षा प्रदान की जाती है।

आकार संस्था में आकर रघुनाथ को दुनिया और रंगीन दिखने लगी, यहां उस जैसे ही बहुत से दिव्यांग बच्चे थे, जो अपनी दुनिया गढ़ने में मस्त रहते। कक्षा छठवीं में रघुनाथ को संगीत के सुरों ने अपनी ओर आकर्षित किया और वह उसमें बंधता चला गया। वर्तमान में रघुनाथ कक्षा दसवीं में पढ़ रहा है और एक पारंगत गायक के साथ ही उम्दा हार्मोनियम वादक भी है।

वह अभी ढोलक और तबला वादन भी सीख रहा है। उसने बताया कि सुरों के संगम में जीवन आसान लगता है, मुझे कभी इस बात का अहसास नहीं होता कि मैं देख नहीं सकता। बल्कि उसे इस बात की खुशी है कि वह इस कोरे संसार को अपने पंसद के सुरों में पिरोता है। रघुनाथ संगीत के क्षेत्र में ही अपना भविष्य बनाना चाहता है, और अपने परिवार के साथ ही सुकमा जिले और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करना चाहता है।

क्रमांक-2558/रीनू/किशोर

शिव पुराण के श्रवण से जीवन को मिलती है सार्थकता- संत राजेंद्र महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अग्रवाल महिला समिति द्वारा बांके बिहारी महिला समिति के सहयोग से न्यू खुर्सीपार भिलाई स्थित अग्रसेन भवन में श्री शिव पुराण कथा महायज्ञ का भक्तिमय आयोजन शुक्रवार से शुरू हुआ। 24 जुलाई तक चलने वाले इस दस दिवसीय आयोजन में कथा प्रवक्ता परम पूज्य संत राजेंद्र महाराज श्री धाम वृंदावन हैं। आयोजन की शुरुआत में शुक्रवार को दोपहर 2:00 बजे से राधा कृष्ण मंदिर खुर्सीपार से भव्य कलश यात्रा निकली।

जिसमें स्थानीय भक्तों के साथ साथ शहर के अन्य हिस्सों के लोगों ने भी बढ़ चढ़ कर अपनी भागीदारी दी। जगह-जगह लोगों ने इस कलश यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा का मुख्य आकर्षण इसमें शामिल झांकी थी। जिसकी लोगों ने भरपूर सराहना की। अग्रसेन भवन पहुंचने पर कलश यात्रा ससम्मान विसर्जित हुई।

इसके उपरांत शिवजी के भजन के साथ कथा का आरंभ हुआ। पहले दिन संत राजेंद्र महाराज श्री धाम वृंदावन ने महात्म कथा ज्योतिर्लिंग की प्रादुर्भूमति कामदेव व नारद का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि शिव पुराण कथा हमारे जीवन को एक सार्थक मार्ग प्रदान करती है और इसका श्रवण करने से पुण्य की प्राप्ति होती है।

इस अवसर पर विशेष आकर्षण के तहत भक्तों के लिए वृंदावन से आए हुए कलाकारों द्वारा मनोहर झांकियों की प्रस्तुति रही। इन झांकियों के साथ वृंदावन के कलाकारों की नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति का भी उपस्थित लोगों ने आनंद उठाया।

आयोजन के संरक्षकगण में अग्रवाल सेवा समिति युवा मंच न्यू खुर्सीपार भिलाई और पार्षद भूपेंद्र यादव हैं। इस शिव पुराण कथा महायज्ञ में समस्त आयोजन के मुख्य जजमान संगीता-नेमीचंद अग्रवाल और संपूर्ण आयोजन की सूत्रधार प्रेमा-राजेंद्र गर्ग हैं। आयोजन को सफल बनाने में मंच संचालक जयप्रकाश शास्त्री, संपूर्ण कार्य व्यवस्था प्रेमा-राजेंद्र गर्ग, झांकी व्यवस्था सरला-विनोद अग्रवाल, मंच व्यवस्था इति-जगदीश धुवे, मंजू-प्रभुनाथ बैठा, उत्सव व्यवस्था माया-रामभगत अग्रवाल, प्रेमलता-रामनाथ अग्रवाल, बीना-संतोष अग्रवाल, नृत्य व्यवस्था उषा-संतोष अग्रवाल, शारदा-प्रदीप सिंघानिया, पूनम-प्रहलाद गोयल, अर्थव्यवस्था आशा-कैलाश अग्रवाल, सुशीला-गोपाल केशरवानी व प्रचार प्रसार का दायित्व अनीता-अशोक अग्रवाल संभालेंगे।

खास खबर

191 से अधिक पदों पर भर्ती के लिए 18 को प्लेसमेंट कैंप

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र रायपुर द्वारा स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के 18 जुलाई को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट कैंप जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र-रायपुर, पुराना पुलिस मुख्याल, रायपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। निजी क्षेत्र के नियोजकों इफ्को टोकियो जनरल इंश्योरेंस, उद्योग बाजार, एस. बी.आई लाइफइंश्योरेंस, रायपुर द्वारा इंश्योरेंस एडवाईजर, मैनेजर, डेव्हल्पमेंट ऑफिसर, काउंसलर, टेली कॉलर, एकाउंटेंट, सर्वेयर, ऑफिस ब्वाय, सोशल मिडिया मैनेजर, विडियो एडिटर, सेल्स ऑफिसर और लाईफमित्रा के 191 से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए न्यूनतम 7 से 18 हजार रूपये मासिक वेतन दिया जाएगा।

निःशुल्क लगेगा बुस्टर डोज : 18 साल से अधिक आयु के लोगों को

सूरजपुर। कलेक्टर इफ्फत आरा के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सूरजपुर छ0ग0 के मार्गदर्शन में आज जिले भर में 18 वर्ष से 59 वर्ष तक के हितग्राहियों को कोविड-19 का प्रकाशन डोज टीकाकरण केन्द्रों में नि:शुल्क लगाया जायेगा। इससे पहले एवं वर्तमान में इन आयु वर्ग के हितग्राहियों को निजी कोविड टीकाकरण केन्द्रों में लगाया जा रहा था। शासन द्वारा नि:शुल्क वैक्सीन को केवल 75 दिवस 15 जुलाई से 30 सितम्बर तक लगाया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस.सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 18 से 59 वर्ष आयु के ऐसे हितग्राही जिन्हें कोविड टीके के दोनो डोज 6 माह या 26 सप्ताह पूर्ण हो चुका है।

बारिश में होने वाली महामारी की रोकथाम के लिए बीएसपी के साथ निगम चालाएगा अभियान

रिसाली निगम के 22 हजार घरों तक पहुंचेगी टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

खुले में मांस मटन का अवशिष्ट फेकने पर दुकान सील बंद

रिसाली। बारिश में होने वाले कै-दस्त और मच्छर जनित जान लेवा बीमारी को लेकर रिसाली नगर पालिक निगम के आयुक्त आशीष देवांगन ने मॉनिटरिंग शुरू कर दी है। उन्होंने निगम क्षेत्र में शामिल टाऊनशिप और अन्य क्षेत्रों में रोकथाम और एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए है। इसी विषय को लेकर संयुक्त रूप से अभियान चलाने भिलाई इस्पात संयंत्र व निगम के अधिकारियों की बैठक ली।

संयुक्त बैठक में न केवल कार्य येजना पर विस्तार से चर्चा की गई, बल्कि धरातल पर कार्य शुरू करने कहा गया।

आयुक्त की पहल पर भिलाई इस्पात संयंत्र के जनस्वास्थ्य विभाग ने कहा कि टाऊनशिप में महामारी नियंत्रण के तहत रोकथाम करना शुरू कर दिया है। वहीं शनिवार से रिसाली निगम क्षेत्र में शामिल मरोदा सेक्टर, रूआबांधा सेक्टर और रिसाली सेक्टर में भी एन्टी लार्वा अभियान के तहत कूलरों की जांच के साथ ही मच्छर मार दवा का छिड़काव शुरू कर दिया जाएगा। बैठक में महापौर परिषद के सद्स्य चन्द्रभान ठाकुर व स्वास्थ्य प्रभारी गोविन्द चतुर्वेदी, जनस्वास्थ्य विभाग बीएसपी के सहायक महाप्रबंधक सुनील चैरसिया, वरिष्ठ महाप्रबंधक आर. के. गुप्ता, तोड़फोड़ विभाग के उपमहाप्रबंधक के के यादव, विश्वनाथ देवागंन, निगम के संजय वर्मा, बृजेन्द्र परिहार व गोपाल सिन्हा आदि उपस्थित थे।

22 हजार घरों में दस्तक

आयुक्त आशीष देवांगन ने कहा कि निगम के अधिकारी कर्मचारी अंतिम छोर तक दबिश दे। घरों में लार्वा तो नहीं इसकी जांच करे। साथ ही छोटे-छोटे बॉटल में टेमीफॉस का वितरण करे। आयुक्त ने कहा कि जहां पानी जमा है वहां पर जला ऑइल छिड़कर पूरे क्षेत्र का ट्रीटमेंट करे।

294 लोगों को नोटिस

बैठक के दौरान रिसाली निगम के जनस्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी बृजेन्द्र परिहार ने बताया कि क्षेत्र में 294 डेयरी है। डेयरी संचालकों को नोटिस दिया गया है कि वे गोबर व डेयरी से निकलने वाली गंदगी का निष्पादन करने उचित व्यवस्था करे। अन्यथा दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।

यहां पहुंचेगी संयुक्त टीम

बारिश को लेकर आयुक्त ने सख्त निर्देश दिए है। उन्होंने बीएसपी और निगम के संयुक्त टीम को बीएसपी रिसाली मार्केट और छत्तीसगढ़ सब्जी मंडी के अलावा रूआबांधा मार्केट में नियमित दबिश देने कहो। दौरान अगर कोई मांसमटन दुकान संचालक खुले में अवशिष्ट फेकते पाए जाने पर बिना मौका दिए दुकान को सील बंद कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए है।

टाऊनशिप में फोकस

चर्चा के दौरान खुलासा हुआ कि निगम क्षेत्र के रिहायशी क्षेत्रों में नालियों की सफाई तो की जा रही है लेकिन टाऊनशिप के बैक लाइन में पानी निकासी का साधन नहीं है। आयुक्त ने बैक लाइन सफाई कार्य अविलम्ब शुरू करने निर्देश दिए।

मवेशियों के कान में लगेगा टैग

आयुक्त ने कहा कि सड़कों पर आवारा मवेशियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कार्यवाही पर पशुधन स्वामी सामने नहीं आते। आयुक्त ने कहा कि निगम स्थाई निराकरण करने कार्य योजना बनाए। जिसमें कर्मचारी डेयरी तक पहुंचे और मवेशियों के कानों में टैग लगाए। टैग में डेयरी संचालक का नाम व वार्ड नं. दर्ज हो। टैग वाले मवेशी सड़कों पर मिले तो टैग के आधार पर डेयरी संचालक के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की जा सके।

बारिश के बाद हो फॉगिंग

निगम क्षेत्र में बारिश के समय मच्छर का लार्वा नष्ट करने का कार्य किया जा रहा है। आयुक्त ने कहा कि बारिश के थमने के बाद जनस्वास्थ्य विभाग अपने-अपने सीमा क्षेत्र में अनिवार्य रूप से फॉगिंग कराए ताकि मच्छरों को नियंत्रण किया जा सके।

मौसम में हो रहे बदलाव से हो सकता है मौसमी बुखार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मौसम में हो रहे बदलाव के चलते सर्दी-बुखार का होना सामान्य बात है। लगातार बारिश और उसके बाद होने वाली तेज धूप के चलते वातावरण वायरस के फैलाव के अनुकूल हो जाता है। ऐसे में हुए बुखार को वायरल बुखार या मौसमी बुखार कहा जाता है। भले ही इस तरह के बुखार चार से छह दिनों में स्वयं ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन इससे होने वाली कमजोरी और अन्य समस्याओं का असर कई दिनों तक बना रहता है। मौसम में बदलाव के आते ही इस तरह के बुखार का होना बहुत सामान्य होता है, किन्तु इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि इस समय सर्दी-खांसी, जुकाम को बढ़ाने वाले इस्पेटरी वायरस, एडिनो, सिनसाइटल आदि वायरस ज्यादा सक्रिय हैं। यह वायरस तभी सक्रिय होते हैं, जब आर्द्रता अधिक होती है। पानी गिरने के बाद निकली धूप वायरस को अधिक अनुकूल मौसम प्रदान करती है। ऐसी स्थिति में वातावरण में मौजूद यह वायरस लोगों को अपनी गिरफ्त में ले लेते हैं। डॉ. मिश्रा ने बच्चों को इनसे बचाने के लिए उन्हें गंदगी से दूर रखने, बार-बार भीगने से बचाने की सलाह दी है। उन्होंने बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पोषणयुक्त भोजन खिलाने कहा है।

क्यों होता है वायरल फीवर?

मौसम में बदलाव होने के साथ ही हमारे वातावरण में कई प्रकार के वायरस तेजी से बढ़ने शुरू हो जाते हैं। जिन लोगों की रोग प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है, उनका शरीर इन वायरस से मुकाबला नहीं कर पाता है। लिहाजा उन्हें बुखार और सर्दी-जुकाम जैसी दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। बुखार होना एक तरह की सुरक्षात्मक क्रिया है। जब आप किसी वायरस के संपर्क में आते हैं तो आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर का तापमान बढ़ा देती है ताकि वायरस का प्रभाव कम हो जाए।

वायरल बुखार में सामान्यत: सिरदर्द, बदन दर्द, बुखार का लंबे समय तक बने रहना और दवाओं के प्रयोग से भी बुखार कम न होना प्रमुख है। बुखार के कुछ और लक्षण हैं जैसे जोड़ों में दर्द होना, शरीर में दाने निकलना, चेहरा फूल जाना और उल्टियां होना। इस तरह का कोई भी लक्षण दिखाई दे तो फौरन अपने डॉक्टर के पास जाएं। अगर बुखार हो गया है तो पूरी तरह आराम करें।

जब तक ठीक नहीं हो जाते, गर्म और तरल भोजन जैसे सूप और खिचड़ी खाएं। बीमार होने पर बिना डॉक्टर के परामर्श के स्वयं एंटीबायोटिक दवा और दर्द दूर करने वाली दवाएं न लें।

20 ग्रामीणों को लगाया गया कोविड का टीका, मौसमी बीमारियों से बचाव की दी गयी जानकारी

उफनती नदी पार कर स्वास्थ्य कर्मी पहुंचे जगरगुंडा

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले में हो रही लगातार बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इस कारण अंदरूनी इलाकों के मार्ग भी अवरूद्ध हो गए है और ऐसे में संवेदनशील इलाकों में पहुंचना अत्यंत कठिन हो गया है इसके बाबजूद जरूरतमंद लोगों को कोरोना टीका लगाने और अन्य बीमारियों से बचाने के के लिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी जगरगुण्डा क्षेत्र की उफनती नदियों को पार कर गांवों तक पहुंच रहे हैं और ग्रामीणों को जरूरी उपचार पहुंचा रहे हैं।

गुरुवार को जगरगुण्डा क्षेत्र में ग्रामीण स्वास्थ्य सयोजक कोंडासावाली के मनोहर पोड़ियाम एवं सेक्टर सुपरवाइजर के द्वारा हितग्राहियों को कोविड वैक्सीन की 20 डोज़ लगायी गयी। वहीं 8 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन भी किया गया। इसके अतिरिक्त सिर दर्द, जोड़ दर्द, पेट दर्द, और मौसमी बीमारी सर्दी-खांसी के 36 मरीजों इलाज भी किया गया।

सीएमएचओ डॉ. सी.बी.पी. बंसोड़ ने बताया: बरसात के मौसम में अंदरूनी इलाकों में रहने वाले ग्रामीण अपने कृषि कार्य में लगे होते हैं। साथ ही अत्यधिक बारिश के कारण मार्ग बाधित हो जाने और दुर्गम रास्तों, नदी नालों को पारकर वह इलाज के लिए कई बार स्वास्थ्य केंद्र नही आ पाते। इसलिये ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों- में पहुंचकर स्वास्थ्य टीम अपनी जिम्मेदारी और लक्ष्य को पूरा करने के लिए जोखिम उठाते हुए नदी पार कर उनका कोविड टीकाकरण कर रही है। इसका उद्देश्य दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी कोविड के खिलाफ सौ फीसदी आबादी का टीकाकरण करना है।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के प्रति आभार जताते हुए जगरगुण्डा निवासी ग्रामीण रामधर स्थानीय भाषा में कहा: मेरी तबियत विगत 3 दिनों से खराब थी। लगातार हो रही बारिश के कारण नाले में पानी भर गया था जिस कारण इलाज के लिए कहीं जा नही पा रहा था।

ऐसे में घर के नजदीक ही स्वास्थ्य दल के आने की जानकारी मिली,आज उनसे अपना इलाज कराया और नि:शुल्क दवा भी प्राप्त किया। उनके द्वारा कोविड और मौसमी बीमारी,डेंगू मलेरिया से सावधान रहने तथा अपने आस-पास साफ-सफाई रखने की जानकारी दी गयी।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे भाटापारा मंडी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को दिलायी शपथ

गौठान बनने से लगभग राज्य में डेढ़ लाख हेक्टेयर शासकीय भूमि हुई सुरक्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि एवं जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने इस मौके पर कृषि उपज मंडी समिति भाटापारा के नवनियुक्त अध्यक्ष सुशील शर्मा,उपाध्यक्ष चित्रलेखा साहू सहित सदस्यों को शपथ दिलाई।

कृषि मंत्री चौबे ने किसानों को सौगात देते हुए मंडी परिसर में एक नवीन किसान भवन बनाने एवं तथा जर्जर शेड का जीर्णोद्धार कराये जाने की घोषणा की है। उन्होंने जिला प्रशासन को नवीन मंडी प्रागंण हेतु स्थल चयन के लिए निर्देश दिए। मंत्री श्री चौबे ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में कृषि को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाने के लिए गए फैसलों एवं संचालित योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ का किसान सशक्त और आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। हम जैविक कृषि की तरफ बढ़ रहे है। गौठान एवं गौधन न्याय योजना के माध्यम से बड़े पैमाने पर वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन कर रहे है और लगभग 150 करोड़ की वर्मी कम्पोस्ट का विक्रय किया है, जिसमें 147 करोड़ रूपए गौठान समिति एवं महिला स्व-सहायता समूहों के पास वापस आया है। गौठान के माध्यम से एक लाख महिलाओं को स्वावलंबी बनाया है और उन्हें रोजगार से जोड़ा है।

मंत्री चौबे ने कहा कि गांवों में गौठान बनाने से राज्य में लगभग 1.50 लाख हेक्टेयर शासकीय भूमि सुरक्षित हो गई है, जिससे छत्तीसगढ़ की अस्मिता दैहान संस्कृति को पुनर्स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार समर्थन मूल्य पर छत्तीसगढ़ के किसानों को धान खरीद कर उनकी उपज का वाजिब मूल्य दे रही है। राज्य में किसानों द्वारा उत्पादित धान से हम बायो एथेनॉल बनाने के लिए भी लगातार प्रयासरत है।

कार्यक्रम में कृषक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी, खनिज विकास निगम अध्यक्ष गिरीश देवांगन, पूर्व विधायक भाटापारा चैतराम साहू, पूर्व विधायक बलौदाबाजार जनकराम वर्मा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता ठाकुर, सर्वश्री हितेन्द्र ठाकुर, विद्याभूषण शुक्ल, सदस्य कर्मकार मण्डल सतीश अग्रवाल, नगर पालिका परिषद भाटापारा अध्यक्ष सुनीता गुप्ता, उपाध्यक्ष त्रिलोक सिंह सलूजा, कलेक्टर रजत बंसल, पुलिस अधीक्षक दीपक झा सहित पोहा-मुरमुरा मिल एसोसिएशन, दालमिल एसोसिएशन, राइस मिल एसोसिएशन, कृषि उपज मंडी भाटापारा के विभिन्न पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

खास खबर

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की 475 सीटों एवं महाविद्यालय का आबंटन

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि, उद्यानिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालयों में संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की सीटों में दाखिले हेतु ऑनलाईन काऊंसिलिंग के तहत कुल उपलब्ध 491 सीटों में से 475 सीटों पर पात्र अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया एवं उन्हें महाविद्यालय का आबंटन किया गया। संयुक्त प्रवेश परीक्षा-2022 की प्रावीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियो को प्रोविजनल सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन किया गया है। अभ्यर्थियों को 16 से 19 जुलाई के मध्य दस्तावेजों के परीक्षण हेतु कृषि महाविद्यालय, रायपुर में उपस्थित होना होगा। आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने हेतु अभ्यर्थियों को 16 से 20 जुलाई के मध्य ऑनलाइन फीस जमा करना अनिवार्य होगा। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु कुल 1492 आवेदन प्राप्त हुए थे। सेवारत कोटे में उपलब्ध 20 सीटों एवं प्रायोजित कोटे में उपलब्ध 04 सीटों पर बाद में प्रवेश दिया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 3 से 11 जुलाई, 2022 तक विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.igkv.ac.in पर आवेदन मंगाये गये थे। काउंसिलिंग में भाग लेने हेतु अभ्यर्थियों को 3 से 11 जुलाई के मध्य ऑनलाइन पंजीयन करना एवं दस्तावेज अपलोड करना था। सीट आबंटन के पश्चात यदि अभ्यर्थी किसी कारण से सीट सुरक्षित नहीं कर पाता है और आगामी चरण की काउंसिलिंग में भाग लेना चाहता है तो इस हेतु ऑनलाइन आवेदन करना होगा तथा ऐसे अभ्यर्थी जिन्हें अभी तक कोई सीट आबंटित नहीं हुई है, उन्हें भी स्पॉट एवं कन्वर्शन काउंसिलिंग के लिए 16 से 21 जुलाई के मध्य ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यदि अभ्यर्थी सीट सुरक्षित करने के पश्चात सीट निरस्त करना चाहता है और आगे किसी भी प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहता है तो इस हेतु 16 से 21 जुलाई के मध्य सीट निरस्त करना होगा। ऑटो अपग्रेडेशन एवं वर्ग कन्वर्शन के पश्चात आबंटित एवं रिक्त सीटों की जानकारी 25 जुलाई, 2022 को उपलब्ध कराई जायेगी। इच्छुक अभ्यर्थी काउंसिलिंग संबंधित दिशा-निर्देशों की अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.igkv.ac.in का अवलोकन कर सकते हैं।

मंत्री डॉ. डहरिया की अनुशंसा पर 29.50 लाख रुपये के विकास कार्य स्वीकृत

रायपुर। नगरीय प्रशासन, विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया की अनुशंसा पर रायपुर जिले के अंतर्गत आरंग विकासखण्ड क्षेत्र के विभिन्न ग्रामो में तालाब गहरीकरण, प्राथमिक शाला भवन एवं शेड निर्माण हेतु 29 लाख 50 हजार रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृति मिली है। इनमें ग्राम नकटा में तालाब गहरीकरण हेतु 05 लाख रुपये एवं ग्राम बनरसी में बड़े तालाब गहरीकरण हेतु 05 लाख रुपये, ग्राम दरबा में तालाब गहरीकरण हेतु 05 लाख रुपये स्वीकृत किए गए है। ग्राम परसदा (उ) में नवीन प्राथमिक शाला भवन निर्माण हेतु 08 लाख 50 हजार रुपये और ग्राम नवागांव(खु) के प्राथमिक शाला में शेड निर्माण हेतु 06 लाख रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृत मिली है। निर्माण कार्यों की स्वीकृत मिलने पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों में खुशी है।

ग्रामीण औद्योगिक पार्क के उत्पादों को अच्छा बाजार दिलाने गुणवत्ता, कीमत और मार्केटिंग पर दिया जाए ध्यानः सीएम

गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट छानने की मशीन उपलब्ध कराने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि प्रदेश के गौठानों के ग्रामीण औद्योगिक पार्क में तैयार होने वाले उत्पादों को अच्छा बाजार दिलाने के लिए उत्पादों की गुणवत्ता, उचित कीमत और मार्केटिंग पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि उत्पादों की बिक्री बढ़े और इसका अधिक से अधिक फायदा स्व-सहायता समूहों को मिले। मुख्यमंत्री ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में गौठानों को महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में विकसित करने के लिए किए जा रहे कार्यों, गोधन न्याय योजना, सी-मार्ट और मुख्यमंत्री रेशम मिशन के कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्र कुमार, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने बैठक में कहा कि गांव की जरूरत के अनुसार उत्पाद तैयार करने तथा जिन चीजों की खपत स्थानीय स्तर पर हो सकती है, उनका उत्पादन प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने गौठानों में तैयार उत्पादों की ब्रांडिंग और उनके विक्रय के लिए अमेजान, फ्लिपकार्ड जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौठानों में विभिन्न आयमूलक गतिविधियों में संलग्न लोगों को आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि गौठानों में 12 हजार 176 स्व-सहायता समूह काम कर रहे हैं, जिनमें 83 हजार 874 महिलाएं सदस्य हैं। इन समूहों को अब तक विभिन्न गतिविधियों से लगभग 65 करोड़ 18 लाख रूपए की आय प्राप्त हो चुकी है। स्व-सहायता समूह वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, सामुदायिक बाड़ी, मशरूम उत्पाद, मुर्गी पालन, मछली पालन, बकरी पालन के साथ-साथ गोबर से दीया, गमला, अगरबत्ती बना रहे हैं। इसके साथ ही साथ सेनेटरी पेड, बैग निर्माण, फेंसिंग पोल, एलईडी बल्ब, पेपर ब्लाक निर्माण जैसी गतिविधियां भी गौठानों में संचालित की जा रही है। वर्तमान में गौठानों में 79 तेल मिल, 177 दाल मिल, 364 आटा मिल, 939 मिनी राईस मिल स्थापित की है। जिले के प्रत्येक विकासखण्ड में कम से कम दो-दो गौठानों का चयन ग्रामीण औद्योगिक पार्क विकसित करने के लिए किया गया है। बैठक में बताया गया कि ग्रामीण औद्योगिक पार्क के तहत गौठानों में स्व-सहायता समूहों के साथ बेरोजगार युवा, इच्छुक पुरूष- महिला और तृतीय लिंग के उद्यमी विभिन्न गतिविधियां संचालित करने के लिए पात्र है। ग्रामीण औद्योगिक पार्क में उत्पादित वस्तुओं का विक्रय स्थानीय हाट बाजार, सी-मार्ट, शबरी इम्पोरियम, संजीवनी केन्द्र, थोक विक्रेता, प्राईवेट कम्पनी और शासकीय कार्यालयों में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना की समीक्षा के दौरान सभी गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट छानने के लिए मशीन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना से डेयरी उद्योग को लाभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग कर रहे हैं, आने वाले समय में इसकी मांग बढ़ेगी, इसलिए वर्मी कम्पोस्ट का अधिक से अधिक उत्पादन किया जाना चाहिए।

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा कि गौठानों में लगभग 19 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट तैयार किया गया है, जिसका किसानों को विक्रय किया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 3 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट बचा है। बैठक में बताया गया कि आवर्ती चराई के 1300 गौठानों में से 619 में गोबर में खरीदी प्रारंभ हो गई है, यहां लगभग 82 हजार क्विंटल गोबर की खरीदी की गई है, आवर्ती चराई के 159 गौठानों में जल्द ही गोबर की खरीदी प्रारंभ होगी।

नानगूर में ककून बैंक की स्थापना

मुख्यमंत्री ने रेशम मिशन समीक्षा के दौरान कहा कि बस्तर में नैसर्गिक ककून के संग्रहण और धागा बनाने के कार्य में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को आय और रोजगार का साधन उपलब्ध कराया जा सकता है। बैठक में जानकारी दी गई कि बस्तर जिले के नानगूर में वन विभाग द्वारा ककून बैंक की स्थापना की गई है। वन विभाग द्वारा नैसर्गिक रैली ककून का स्थानीय लोगों से समर्थन मूल्य पर क्रय किया जा रहा है। 740 हितग्राहियों को धागा बनाने का प्रशिक्षण दे दिया गया है। इन्हें धागाकरण मशीन भी दी जाएगी। नानगूर में 5 करोड़ 70 रूपए की लागत से आधुनिक वेट रीलिंग यूनिट स्थापित करने की परियोजना स्वीकृति के लिए केन्द्रीय सिल्क बोर्ड को भेजा गया है। रैली ककून का संग्रहण 01 मार्च से 30 अप्रैल तथा 01 अगस्त से 15 अक्टूबर तक किया जाता है।

हायर सेकेण्डरी सह आईटीआई सर्टिफिकेट कम्बाइन कोर्स में 3101 विद्यार्थी अध्ययनरत

छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में हायर सेकेण्डरी कोर्स के साथ 11 ट्रेडों में प्रारंभ किए गए आईटीआई सर्टिफिकेट कोर्स में 3101 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर 111 विकासखण्डों में 114 आईटीआई में यह कोर्स संचालित है, इसमें विद्यार्थी 12वीं के साथ-साथ आईटीआई की पढ़ाई भी कर रहे हैं। इन विद्यार्थियों को कोर्स पूरा होने पर 12वीं बोर्ड परीक्षा के सर्टिफिकेट के साथ आईटीआई का सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा।

बिलासा प्रीमियम शॉप में 4.90 लाख के हैण्डलूम वस्त्रों की बिक्री

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि रायपुर के छत्तीसगढ़ पंडरी हाट में 10 जून 2022 को प्रारंभ किए गए बिलासा हैण्डलूम के प्रीमियम प्रोडक्ट के एम्पोरियम में 11 जुलाई तक 4 लाख 90 हजार रूपए के वस्त्रों का विक्रय किया गया है। इस प्रीमियम शॉप में छत्तीसगढ़ के बुनकरों द्वारा तैयार टसर सिल्क और कॉटन की साड़ियां, स्टोल, ड्रेस मटेरियल, फर्नीशिंग एवं रेडिमेड के हैण्डलूम वस्त्रों का डिस्प्ले और विक्रय किया जा रहा है।

जल जीवन मिशनः 44 गांवों के लिए 18.65 करोड़ रूपए की मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के निर्देश पर राज्य के ग्रामीण अंचलों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इसी कड़ी में बिलासपुर जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना के तहत 44 गांवों के 3627 घरों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होगी, जिसके लिए 18 करोड़ 65 लाख 63 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है।

इस संबंध में कार्यालय कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन बिलासपुर द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के तहत बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड अंतर्गत आमामुडा (आमामुडा) ग्राम में 41 लाख 28 हजार रूपए, आमामुड़ा (धोबघाट) में 35.55 लाख रुपए, पुडु (नवापारा) में 35 लाख 52 हजार रूपए, पुडु (बगलाभाटा) में 39 लाख 49 हजार रूपए, कुम्हड़ाखोल में 49.97 लाख रूपए, लमनाझार में 36.80 लाख रूपए, मनपुर में 49.97 लाख रूपए, लुसड़ा में 49.91 लाख रुपए, धनरास में 37.52 लाख रुपए, खुटाडीह में 35.66 लाख रुपए, मेलनाडीह में 36.34 लाख रुपए, दावनपुर में 45.31 लाख रुपए, मेलनाडीह में 39.13 लाख रुपए, खुटाडीह में 38.28 लाख रुपए, धनरास (यादवपारा) में 35.27 लाख रुपए, घासीपुर (चांदीपुर) में 41.22 लाख रूपए, घासीपुर (नवाडीह) में 37.48 लाख रूपए, दावनपुर (नहरपारा) में 37.98 लाख रुपए, पहाड़ बछाली में 49.90 लाख रूपए, कुसमुली में 49.43 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह शिवतराई में 46.84 लाख रूपए, शिवतराई (बैगापारा) में 45.34 लाख रूपए, शिवतराई (रामपुर) में 34.84 लाख रूपए, शिवतराई (इंदिरा आवास) में 38.90 लाख रूपए, केकराडीह (खाल्हेपारा) में 37.73 लाख रूपए, केकराडीह (खोलीपारा) में 39.06 लाख रूपए, केकराडीह में 38.64 लाख रूपए, पीपरपारा में 46.28 लाख रूपए, सेमरी में 49.98 लाख रूपए, सिलपहरी में 45.35 लाख रूपए, सिलपहरी (पटेलपारा) में 39.06 लाख रूपए, सिलपहरी (गोंडपारा, मैनापारा) में 40.66 लाख रूपए, मानिकपुर (गोंडपारा) में 25.40 लाख रूपए, मानिकपुर (हरिजनपारा) में 38.98 लाख रूपए, मानिकपुर (खास) में 49.99 लाख रूपए, रिगवार में 49.94 लाख रूपए, कुसुमखेड़ा में 49.98 लाख रूपए, रिगवार (खसारीयापारा) में 49.96 लाख रूपए, तुलुफ (साजादहरा, डोंगरीपारा) में 49.87 लाख रूपए, तुलुफ (बावातालाब, कटेलपारा) में 42.83 लाख रूपए, उमरीया (चुहावीपारा) में 45.31 लाख रूपए, उमरीया (भदवापारा) में 46.13 लाख रूपए, सोढाखुर्द में 42.07 लाख रूपए और करही कछार (पुलियापारा, फाटकपारा) में 49.98 लाख रूपए की लागत वाली एकल ग्राम नलजल प्रदाय योजना की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

सलियाडीह जलाशय नहर में पक्के कार्य के लिए 1.99 करोड़ की स्वीकृति

रायपुर। जलसंसाधन विभाग मंत्रालय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सरगुजा जिले के बतौली विकासखण्ड अंतर्गत सलियाडीह जलाशय के नहर में मिट्टी कार्य, पक्के संरचनाओं एवं पक्की चैनल के निर्माण के लिए 1 करोड़ 99 लाख 87 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मुख्य अभियंता हसदेव गंगा कछार अम्बिकापुर को दी गई है। उक्त कार्य को कराए जाने से नहर की सिंचाई क्षमता में 122 हेक्टेयर की कमी को पूरा करने के साथ ही कुल 202 हेक्टेयर में सिंचाई के लिए जलापूर्ति की जा सकेगी।

39 की हुईं कटरीना: पिता ने छोड़ा तो कैट समेत 8 बच्चों को अकेले मां ने पाला, 14 साल में जीत लिया था ब्यूटी कॉन्टेस्ट

आज बॉलीवुड की बार्बी डॉल कटरीना कैफ 39वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। मॉडलिंग से करियर की शुरुआत करने वाली कैट का सफर काफी मुश्किल भरा रहा है। कैट के पिता बचपन में ही परिवार को छोड़कर चले गए थे। जिसके बाद उनकी मां ने परिवार चलाया। उन्होंने फिल्म बूम से एक्टिंग करियर की शुरुआत की पर ये फिल्म सुपरफ्लॉप साबित हुई। इस फिल्म को करने के दौरान उन्हें कई फिल्मों के प्रोजेक्ट मिले पर बूम में उनके ब्रिटिश एक्सेंट ने उनकी एक्टिंग पर भी असर डाला और फिल्म के फ्लॉप होने के बाद उनके हाथ से ये प्रोजेक्ट्स चले गए। जिसके बाद साउथ फिल्मों के जरिए उन्होंने फिर शुरुआत की। अब कटरीना बॉलीवुड का जाना माना नाम हैं। ये कटरीना की मेहनत ही है जो एक समय खराब एक्टिंग के चलते उनके हाथ से कई फिल्में चली गई थीं वहीं दूसरी ही फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। तो चलिए आज बर्थडे के मौके पर जानते हैं उनका अबतक का सफर।

बचपन में ही छोड़ गए पिता

कटरीना कैफ का जन्म 16 जून 1983 को हांग कांग में हुआ था। उनके पिता कश्मीरी मूल के ब्रिटिश बिजनेसमैन मोहम्मद कैफ थे। वहीं उनकी मां सुजैन इग्लिंश लॉयर और सोशल वर्कर थीं। कटरीना की 6 बहनें और एक भाई है। कटरीना की लाइफ नॉर्मल बच्चों की तरह ही थी लेकिन एक समय ऐसा आया जब उनके पिता उनके परिवार को छोड़कर चले गए थे। उनका पालन पोषण उनकी मां ने ही किया था।

कई देशों में रहने के दौरान घर पर ही हुई स्कूली पढ़ाई

कटरीना की मां सोशल एक्टिविस्ट भी थीं ऐसे में उन्हें अपने काम के सिलसिले में कई देशों में जाना पड़ता था। इस दौरान वो अपने बच्चों को भी अपने साथ ले जाती थीं। इसलिए कटरीना का पूरा बचपन अलग-अलग देशों में ही बीता। हांग-कांग में पैदा हुई कटरीना कुछ समय बाद ही चाइना शिफ्ट हो गईं जिसके बाद जापान, फ्रांस, स्विजरलैंड, पोलैंड जैसे कई देशों में रहीं। इस दौरान कुछ ऐसे देश भी रहे जहां वो कुछ महीनों के लिए ही रहीं। बार-बार स्कूल चेंज करना मुमकिन न होने की वजह से कटरीना की अधिकतर पढ़ाई घर में ही हुई।

हवाई में 14 साल की उम्र में जीता पहला ब्यूटी कॉन्टेस्ट

कटरीना ने 14 साल की उम्र में पहला ब्यूटी कॉन्टेस्ट जीता था। ये कॉन्टेस्ट हवाई में हुआ था जिसके बाद उन्हें ज्वैलरी कैंपेन की तरफसे उनका पहला मॉडलिंग असाइनमेंट मिला था। इसके बाद वो लंदन में ही शिफ्ट हो गईं। इस दौरान वो लंदन फैशन वीक में एक्टिव रहने लगीं और फ्रीलांस मॉडलिंग भी करने लगी थीं। फैशन शो में उनकी मुलाकात एक एशियन फ्रैंड से हुई जिसने कैट को इंडिया घूमने की सलाह दी और फ्रैंड की सलाह पर वो पहली बार भारत आई थीं।

मॉडलिंग के दौरान कैजाद गुस्ताद से हुई मुलाकात

कटरीना अबतक फैशन शोज में काफी एक्टिव रहने लगी थीं। यहीं पर उनकी मुलाकात लंदन बेस्ड फिल्ममेकर कैजाद गुस्ताद से हुई। उस समय कैजाद फिल्म बूम पर काम कर रहे थे। इस फिल्म की कॉस्टिंग तो हो चुकी थी पर शूटिंग शुरू होने से कुछ समय पहले ही मॉडल मेघना रेड्डी ने फिल्म करने से मना कर दिया। जिसके बाद कैजाद की नजर कटरीना पर पड़ी और कटरीना को उन्होंने अपनी फिल्म के लिए साइन कर लिया।

पहली फिल्म रही सुपरफ्लॉप

कटरीना की पहली फिल्म सुपरस्टार अमिताभ बच्चन, गुलशन ग्रोवर, जैकी श्रॉफ जैसे एक्टर्स के साथ थी पर इतने बड़े कलाकार होने के बाद भी फिल्म सुपरफ्लॉप रही। फिल्म में कटरीना की एक्टिंग और ब्रिटिश एक्सेंट को काफी नेगेटिव रिस्पांस मिला था। जिसके चलते इस फिल्म को करने के दौरान ही उन्हें मिले सारे प्रोजेक्ट्स उनके हाथ से चले गए लेकिन कटरीना ने इतने नेगेटिव रिस्पांस के बाद भी हार नहीं मानी और अपनी लैंग्वेज पर काम करना शुरू कर दिया।

2004 में तेलुगु फिल्म मल्लिस्वरी थी दूसरी फिल्म

2004 में कटरीना को फिल्म मल्लिस्वरी में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म से कैट ने खुद को साबित कर दिया। दरअसल ये फिल्म सुपरहिट रही थी और इस फिल्म के लिए कैट को 78 लाख रुपए मिले। फिल्म सुपरहिट होने के साथ ही इस फिल्म में कटरीना की एक्टिंग को भी काफी सराहा गया था। इस फिल्म के लिए कैट को तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री की ओर से बेस्ट एक्ट्रेस के अवॉर्ड से भी नवाजा गया। ये कटरीना के लिए टर्निंग पांइट था जहां वो एक बेहतरीन मॉडल के रुप में खुद को स्थापित कर चुकी थी वहीं उनकी पहली ही फिल्म सुपरफ्लॉप रही थी जिसके बाद कई बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स उनके हाथ से चले गए और फिर फिल्म मल्लिस्वरी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला।

बॉलीवुड में मिला काम

कटरीना की दूसरी फिल्म सुपरहिट होने के बाद उनके पास कई फिल्मों के ऑफर्स आए। उन्होंने इस फिल्म के बाद अमिताभ बच्चन स्टारर राम गोपाल वर्मा की फिल्म सरकार साइन की। ये फिल्म 2005 में रिलीज हुई और ये फिल्म भी सुपरहिट रही। इसके बाद फिल्म मैंने प्यार क्यों किया 2005 में रिलीज हुई। इस फिल्म में कैट के रोल को नोटिस किया गया और इसी फिल्म को कैट की बॉलीवुड में रियल एंट्री माना गया। इसके बाद कटरीना के पास फिल्मों के कई ऑफर्स आने लगे। 2007 में कटरीना को फिल्म नमस्ते लंदन से घर-घर में पहचान मिल गई। ये फिल्म सुपरहिट रही थी और इसी साल कटरीना की लगातार 4 फिल्में सुपरहिट साबित हुईं थीं।

224 करोड़ है नेटवर्थ

कटरीना की नेटवर्थ 224 करोड़ रुपए है। एक समय ऐसा था जब कैट महज 4 लाख रुपए लेकर भारत आई थीं पर अब वो करोड़ों की संपत्ति की मालिक हैं। फोर्ब्स मैगजीन के मुताबिक 2019 में कटरीना कैफ 100 हाईएस्ट पेड सेलिब्रिटी की लिस्ट में 23वें स्थान पर थीं। वो 2017 से लगातार इस लिस्ट में शामिल रही हैं। एक अनुमान के मुताबिक कैट सालाना 23.64 करोड़ रुपए कमाती हैं। वो एक फिल्म के लिए 11 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं वहीं ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 6 से 7 करोड़ रुपए चार्ज करती हैं।

विकी कौशल के साथ शादी को लेकर चर्चाओं में रहीं

कटरीना 2003 से सलमान खान के साथ रिलेशनशिप में थीं। इसके बाद 2009 में आई फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी की शूटिंग के दौरान वो रणबीर कपूर के करीब आ गईं। दोनों का ये रिश्ता 6 सालों तक चला और दोनों की शादी की खबरें भी तूल पकड़ने लगीं लेकिन ये रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया और 2016 में दोनों अलग हो गए। इसके बाद 2021 में कैट विकी कौशल के साथ शादी के बंधन में बंध गईं। इस शादी ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। दोनों ने शादी को काफी प्राइवेट रखा पर दोनों की शादी लाइमलाइट में रही।

19 साल के करियर में 42 फिल्मों में किया काम

कटरीना ने अपने 19 सालों के करियर में राजनीति, एक था टाइगर, सरकार, नमस्ते लंदन जैसी फिल्मों में काम किया है। वो अबतक 42 फिल्मों में काम कर चुकी हैं। फिलहाल कैट फोन भूत, मैरी क्रिसमस और टाइगर 3 की शूटिंग में बिजी हैं।

मुंबई हमले से मुजफ्फरनगर में फैले अपराध तक ऐसी सच्ची कहानियों पर आधारित हैं ये वेब सीरीज

मनोरंजन की दुनिया में सच्ची घटनाओं पर फिल्में या सीरीज बनना कोई नई बात नहीं है। कई साल से इसपर काम हो रहा है। हिंदी सिनेमा में इनपर तमाम फिल्में बच चुकी हैं। लेकिन हर बार ये फिल्में और सीरीज खूब पसंद की जाती हैं। बॉलीवुड में कई बड़े घोटालों और अपराध के घटनाक्रम इतने बेहतरीन तरीके से दिखाए गए हैं कि आम आदमी इनसे आसानी से कनेक्ट हो जाता है। फिल्मों के अलावा कई वेब सीरीज में भी सच्चाई से रूबरू कराने की कोशिश की गई है। यदि आप भी सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्में और सीरीज देखने के शौकीन हैं तो आज हम आपको ओटीटी पर मौजूद कुछ बेहतरीन वेब सीरीज के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुंबई डायरीज- 26/11

ये वेब सीरीज साल 2008 में मुंबई में हुए हमलों की वास्तविक सच्चाई बताती है। बॉम्बे जनरल अस्पताल के कर्मचारियों के सामने आने वाली चुनौतियों की पड़ताल और कैसे एक पत्रकार उस मनहूस दिन पर होने वाली सभी घटनाओं को रिपोर्ट करने की कोशिश करता है। इस फिल्म में मोहित रैना और कोंकणा सेन शर्मा भी हैं।

स्कैम 1992

हर्षद मेहता के जीवन पर आधारित वेब सीरीज स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी को रिलीज के साथ ही जबरदस्त सफलता मिली थी। इस सीरीज में अभिनेता प्रतीक गांधी मुख्य किरदार में नजर आए हैं। सीरीज में एक आम गुजराती लड़के का शेयर मार्केट का शहंशाह बनने का असली सफर दिखाया गया है। इस वेब सीरीज को सोनी लिव पर देख सकते हैं।

दिल्ली क्राइम

ये सीरीज दिल्ली के मशहूर निर्भया गैंगरेप केस पर बनी है। शेफाली शाह इसमें पुलिस अफसर के रोल में हैं। उनके अलावा सीरीज में आदिल हुसैन, राजेश तैलंग और रसिका दुग्गल हैं। क्राइम बेस्ड ये सीरीज आपको झकझोर कर रख देगी। इस सीरीज को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

जामताड़ा- सबका नंबर आएगा

झारखंड में ऑन लाइन फ्रॉड और फिशिंग की सच्ची घटनाओं पर बेस्ड इस सीरीज को लोगों ने खूब पसंद किया था। इस सीरीज में अनजान लोगों को कॉल कर धोखे से अकाउंट डिटेल्स हासिल कर उनके अकाउंट से पैसे अपने अकाउंट में ट्रांसफर करने की घटना को दिखाया गया है। इस सीरीज को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

भौकाल

मोहित रैना की वेब सीरीज भौकाल अपने नाम की तरह बहुत भौकाली है। क्राइम और एक्शन थ्रिलर से भरपूर इस सीरीज में मोहित रैना एसपी सिकेरा के किरदार में हैं। सीरीज की कहानी मुजफ्फरनगर में फैले अपराध और उस अपराध को खत्म करने वाले आईपीएस नवनीत सिकेरा पर आधारित है। इस वेब सीरीज को आप ओटीटी प्लेटफार्म एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं।

अल्लू अर्जुन की फिल्म ने अपने नाम किया एक नया रिकॉर्ड, ये कमाल करने वाली पहली इंडियन फिल्म बनी

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने पिछले साल के अंत में सिनेमाघरों में धमाल मचा दिया था। साल 2021 में बड़े पर्दे पर आई साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'पुष्पा-द राइज' की रिलीज को एक साल से ज्यादा समय होने जा रहा है, लेकिन अभी भी इस फिल्म के लिए लोगों की दीवानगी कम होने का नाम नहीं ले रही है। अल्लू अर्जुन की डायलॉग डिलीवरी से लेकर इसके गाने तक ब्लॉकबस्टर रहे। इस फिल्म ने रिलीज के साथ ही बहुत से रिकॉर्ड अपने नाम किए और आज भी कर रही है। 'पुष्पा द राइज' ने आज अपने नाम एक नया रिकॉर्ड किया है, जिसे सुन इसके फैंस खुशी से झूम उठेंगे।

फिल्म के नाम नया रिकॉर्ड

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा द राइज' हर दिन के साथ एक नई सफलता को छू रही है। फिल्म ने नया रिकॉर्ड अपने नाम करते हुए एक और जगह अपना परचम फहराया है। 'पुष्पा द राइज' इंडिया की पहली ऐसी पैन इंडिया फिल्म बन

गई है, जिसकी एल्बम को करोड़ों में व्यूज मिले हैं। अल्लू अर्जुन की फिल्म की एल्बस को पांच बिलियन यानी 500 करोड़ व्यूज मिले हैं। यह फिल्म की स्टारकास्ट के लिए एक और बड़ी उप्लबधि साबित हुई है। इस बात की जानकारी फिल्म के मेकर्स ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर साझा करते हुए लिखा,'भारतीय सिनेमा में ये अब तक की सबसे बड़ी सफलता है। आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा द राइज पहली ऐसी एल्बम है, जो 5 बिलियन तक पहुंची है।

शुरुआत से ही दर्शकों के बीच था क्रेज

किसी भी फिल्म की कहानी से लेकर उसकी तरफ दर्शकों का आकर्षण उसके पहले पोस्टर से ही पता लगा जाता है। और दर्शकों की इसी उत्सुकता को देखते हुए ही किसी भी फिल्म के निर्माता को अंदाजा हो जाता है कि फिल्म सिनेमाघरों में कैसा प्रदर्शन करने वाली है। कुछ ऐसा ही अल्लू अर्जुन की इस फिल्म के साथ हुआ था। फिल्म का पहला पोस्टर और अर्जुन का पहला लुक सामने आते ही इसने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी थी। लेकिन अब रिकॉर्ड के साथ ही 'पुष्पा द राइज' और बड़ी हो गई है। इतना ही नहीं यह अभी भी सुर्खियों में बनी रहती है।

बॉक्स ऑफिस पर किया इतना कारोबार

'पुष्पा द राइज' ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करनी शुरू कर दी थी। हिंदी में जहां फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया था, वहीं दुनियाभर में फिल्म ने 300 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया ।'पुष्पा- द राइज' का निर्देशन सुकुमार ने किया था और इसमें अल्लू अर्जुन के साथ रश्मिका मंदाना नजर आई थीं।

रंगबाजी के साथ फिर 'डर की राजनीति' करेंगे विनीत कुमार, भौकाली है ट्रेलर

विनीज कुमार सिंह की दमदार एक्टिंग की जितनी तारीफ की जाए कम है। उन्होंने इंडस्ट्री में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। उन्होंने हमेशा अपने अवतार से लोगों को चौंकाया ही है। जी5 की वेब सीरीज रंगबाज के भी दोनों सीजन में उनकी दमदार अदाकारी देखने को मिली है। और अब रंगबाज के तीसरे सीजन का भी ट्रेलर आउट हो गया है। इस सीजन में पहले से ज्यादा डर, राजनीति, भ्रष्टाचार और अपराध देखने को मिलेगा। सचिन पाठक द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ मिश्रा द्वारा लिखित, 'रंगबाज़: डर की राजनीति' का 29 जुलाई को प्रीमियर होना है।

इस वेब सीरीज में विनीत कुमार सिंह, आकांक्षा सिंह, राजेश तैलंग, गीतांजलि कुलकर्णी, प्रशांत नारायणन, विजय मौर्य, सुधन्वा देशपांडे, सोहम मजूमदार और अशोक पाठक शामिल हैं।'रंगबाज - डर की राजनीति' विनीत कुमार सिंह के कैरेक्टर हारून शाह अली बेग के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक गैंगस्टर से रॉबिनहुड स्टाइल का राजनेता बन जाता है। इस सीरीज में वह बिहार के स्माल टाउन मिडल क्लास फैमिली से हैं, जो बहुत ही पावरफुल और इनफ्लुएंशियल इंसान बन जाता है।

ट्रेलर में देखा जा सकता है साहेब को 11 साल बाद जेल से रिहा किया गया है। उसे हत्या, अपहरण और जबरन वसूली सहित 32 से अधिक आपराधिक मामलों के आरोप में कैद किया गया था। हारून शाह अली बेग का अब एक मकसद है चुनाव लड़ना और जीतना। जीत के दावे के साथ वह अपने क्षेत्र में उतरता है। उसने यह साफ कर दिया है कि वह जो चाहता है उसे पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। इसके लिए भले ही उसे चाहे कुछ भी करना पड़े।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

समन्वय के साथ योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करें-कलेक्टर

गरियाबंद। जिले के पांच विकासखण्ड में सात गौठान को मॉडल गौठान के रूप में विकसित किया जायेगा।इनमें गौठान की गतिविधियों के अलावा विभागीय योजनाओं की क्रियान्वयन के साथ अलग से पहचान बनाई जायेगी।मत्स्य, पशुपालन और वन विभाग द्वारा 1-1 गौठान में तथा उद्यानिकी एवं जिला पंचायत द्वारा 2-2 गौठान को विभागीय गतिविधियों से विकसित किया जायेगा। कलेक्टर प्रभात मलिक ने आज कृषि,पशुपालन,मछलीपालन,उद्यानिकी, क्रेडा,मंडी बोर्ड,रेशम और कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा संचालित योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन कर गौठान को मॉडल स्वरूप प्रदान करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ रोक्तिमा यादव,सभी जनपद सीईओ और संबंधित विभाग के अधिकारी विभागीय मैदानी अमला मौजूद थे। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जिला एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारी विभागीय समन्वय के साथ जिले में शासन की योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी जनपद सीईओ को नए स्वीकृत गौठान के लिए जगह चिन्हांकित कर गौठान निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में गोधन न्याय योजना के तहत गौठान में गोबर खरीदी प्रारंभ करने निर्देशित किया है।

निगम के सभी वार्डों में जारी है दवा छिड़काव-फागिंग अभियान

जगदलपुर। नगर पालिका निगम क्षेत्र में 200 से अधिक डेंगू के मरीज मिलने के बाद डेंगू को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग और निगम की टीम डोर-टू-डोर शहर के अलग-अलग वार्डों में चलाये जा रहे अभियान में 197 घरों में मच्छर के लार्वा मिले हैं। जिन घरों में मच्छर के लार्वा मिले वहां जमा पानी में एंटी लार्वा दवाइयां छिड़कने तथा फागिंग तेज करने की मुहिम जारी है। विशेषज्ञों के मुताबिक डेंगू के मच्छर दिन में काटते हैं, इसलिए ज्यादा सावधानी की जरूरत है जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. टीकाम ने बताया कि कई बार मलेरिया, निमोनिया व टाइफाइड होने पर भी बुखार होता है। डेंगू के 04 प्रकार के डी-1, डी-2, डी-3, डी-4 वायरस होते हैं। अभियान के दौरान जिनके कूलर में लार्वा मिले, वे लोग इससे अनजान थे, कि इसी की वजह से डेंगू फैलने का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

गोबर बेचकर कमायी 73 हजार रूपये से अधिक, किया खुद का व्यवसाय प्रारंभ

चिंता गिरी की चिंता हुई दूर, गोधन न्याय योजना बना सहारा

रायगढ़। शासन की महत्वाकांक्षी योजनाएं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन में महती भूमिका निभा रही हैं। ग्रामीण एवं शहरी अर्थव्यवस्था को ध्यान में रख कर बनाई गई शासन की योजनाओं के फलस्वरूप आज ग्रामीण एवं शहरी अंचल में लोगों को रोजगार और उनके आय में वृद्धि के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रही है।

इन योजनाओं से युवा, महिलाओं एवं किसान सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है। इसका जीवंत उदाहरण देखने को मिला किरोड़ीमल नगर पंचायत की श्रीमती चिंता देवी गिरी के जीवन में, जिन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना का लाभ

लेकर खुद का फल व्यवसाय प्रारंभ कर चुकी है। इसके साथ ही एक अन्य व्यवसाय को विस्तार दे रही है।

रायगढ़ जिले के किरोड़ीमल नगर पंचायत में निवासरत श्रीमती चिंता देवी गिरी भी उनमें से एक है जिन्होंने शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अतिरिक्त आय का जरिया निर्मित कर परिवार की जिम्मेदारियों में सहयोग प्रदान कर रही है। श्रीमती चिंता गिरी ने बताया कि पूर्व में लोग गाय के गोबर को बाहर फेंक दिया जाता था। जिसकी कोई कीमत नहीं होती थी। आज उस गाय के गोबर को गोधन के रूप में जाना जाता है। उन्होंने गोधन न्याय योजना के तहत उस गोबर को बेच कर लगभग 73 हजार 400 रूपये की कमाई की जो कि उनके लिए यह एक बहुत बड़ी धन राशि थी। वर्तमान में आज उस धन राशि का उपयोग कर वह अपने द्वारा निजी व्यवसाय प्रारंभ किया है। वह आज किरोड़ीमल नगर में फूल की दुकान खोलकर फूलों का व्यवसाय कर रही है। जिनसे उनका लगभग प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपए अतिरिक्त आय प्राप्त होता है। फूल व्यवसाय से मिले अर्जित आय से आज वे एक अन्य व्यवसाय प्रारंभ की है जिसमें वह घरेलू दैनिक उपयोग की चीजों का सामान रखी हुयी है। वह व्यवसाय को वृहद स्तर पर करने का प्रयास कर रही है, जिसमें उनके परिवार के सदस्य भी उनका सहयोग कर रहे है।

सच्ची मेहनत और लगन से काम करने पर सफलता अवश्य प्राप्त होती है। श्रीमती गिरी की सफलता ने अन्य महिलाओं के लिए मिसाल कायम कर रही है। श्रीमती चिंता गिरी ने आजीविका विकास के लिए शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

विभागीय योजनाओं का सतह पर क्रियान्वयन देखने पहुँचे प्रभारी सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेसी

गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए समय सीमा पर समाप्त करें निर्माण कार्य

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के प्रभारी सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेसी ने पाटन में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेने के तुरंत पश्चात जिले में अधोसंरचना निर्माण एवं नरवा, गरवा, घुरूवा, बाड़ी योजना का क्रियान्वयन देखने फील्ड में पहुंचे। सबसे पहले वे पाटन में निर्माणाधीन स्पोर्ट्स कांप्लेक्स पहुंचे। यहां अधिकारियों ने बताया कि स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में खेल की शानदार अधोसंरचना के साथ ही रायपुर में नालंदा की तरह ही स्तरीय लाइब्रेरी भी बनाई जाएगी जिससे यह परिसर शिक्षा और खेल के बेहतरीन परिसर के रूप में बदल सके।

नकटा तालाब का सौंदर्यीकरण भी उन्होंने देखा। उन्होंने कहा कि पाटन में जिस तरह से सुंदर अधोसंरचना खड़ी की जा रही है उससे नागरिक जीवन के स्तर में शानदार अभिवृद्धि होगी। उनके साथ कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा भी दौरे में उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि खेल के इस इंफ्रास्ट्रक्चर के बढ़िया इस्तेमाल के लिए योजना बनाई जाएगी।

नरवा प्रोजेक्ट्स को देखकर प्रसन्नता जताई सचिव ने सचिव ने नरवा प्रोजेक्ट्स भी देखे। अधिकारियों ने

बताया कि दूसरे चरण के सभी नरवा प्रोजेक्ट्स में काम पूरा हो गया है और अब मेहनत रंग ला रही है। नरवा प्रोजेक्ट्स के बनाये स्ट्रक्चर में पानी भरपूर था और किसानों ने बताया कि इससे आसपास के खेतों के लिए पर्याप्त पानी जमा हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि इससे भूमिगत जल के स्तर में काफी वृद्धि होगी।

एग्रीकल्चर कालेज, स्टेडियम और हर्बल प्रसंस्करण केंद्र की निर्माणाधीन अधोसंरचना भी देखी सचिव ने एग्रीकल्चर कालेज की बन रही बिल्डिंग भी देखी। उन्होने कहा कि इसके साथ ही हास्टल सुविधा भी बढ़िया होनी चाहिए ताकि छात्रों को पढ़ाई में किसी तरह की बाधा न हो। स्टेडियम के लिए उन्होंने कहा कि यहां भी रेसीडेंशियल फैसिलिटी होनी चाहिए ताकि खेल संघ भी इनका बेहतर उपयोग कर सकें।

स्कूली बच्चों ने सुनाया पहाड़ा खुश हुए सचिव

उमरपोटी में सचिव ने प्राथमिक स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां बच्चों से पहाड़ा पूछा। एक बच्ची ने कहा कि मैं तेरह का पहाड़ा सुनाना चाहती हूँ। जब बच्ची ने तेरह का पहाड़ा सुनाया तो सचिव बहुत खुश हुए। कलेक्टर ने देखा कि बच्चों की बेल्ट में उमरपोटी स्कूल लिखा है। शिक्षक ने बताया कि यह नवाचार हमने किया है। इस पर कलेक्टर ने शिक्षकों की प्रशंसा की।

बेल्हारी में पहुंचे सचिव, नवाचार की प्रशंसा की

सचिव ने बेल्हारी गांव का गौठान देखा। यहां पर समूह की महिलाएं वर्मी कंपोस्ट के उत्पादन के साथ ही केंचुए भी विक्रय कर रही हैं। कलेक्टर ने बताया कि गांव के किसानों में वर्मी कंपोस्ट काफी लोकप्रिय हो रहा है और किसान केंचुए गौठान से ले रहे हैं। सचिव ने यहाँ का चारागाह भी देखा। उन्होंने कहा कि सभी गौठानों को इसी तरह से स्वावलंबी करना है।

सड़कों का जाल बिछा, किनारे न रहे गैप

दुर्ग जिले में सड़क अधोसंरचना में शानदार कार्य हुआ है। पाटन ब्लाक में ग्रामीण सड़कों का जाल बना है। आज सचिव ने निर्माणाधीन एवं निर्मित सड़कों को देखा। बटरेल-आगेसरा की सड़क के किनारे गैप भरने के निर्देश उन्होंने दिये। साथ ही सचिव ने कहा कि सभी निर्मित सड़कों के आरंभिक बिंदु पर बोर्ड लगायें। जहां ब्लैक स्पाट हैं वहां सावधानी का चिन्ह लगायें।

केवीआईसी ने खादी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा बनाए गए खादी के लिए नॉलेज पोर्टल लॉन्च किया

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर (पीआईबी)। खादी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र द्वारा खादी के लिए नॉलेज पोर्टल लॉन्च किया गया है। यह खादी संस्थानों को डिजाइन निर्देश देने के लिए एक विकसित मंच है। पोर्टल का उद्घाटन खादी ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की सीईओ सुश्री प्रीता वर्मा ने 14 जुलाई 2022 को किया। सूक्ष्म, लघु एवं मध्य उद्यम मंत्रालय के केवीआईसी द्वारा निफ्ट (एनआईएफटी) में खादी के लिए उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना खादी संस्थानों को सहयोग देने लिए की गई है।

खादी के लिए नॉलेज पोर्टल का प्रयास खादी संस्थानों के व्यापक वर्ग तक डिजाइन नॉलेज का प्रसार करना है। पोर्टल का उद्देश्य रूझानों को सरल बनाकर, विशेषकर खादी के लिए उपयुक्त डिजाइन बनाना है। चार कहानियां/ डिजाइन निर्देशन की परिकल्पना की गई है और इसे वॉल्यूम- ढ्ढ में प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक कहानी में एक विषय, रंग पैलेट (रंग पटिया) और बुनी हुए डिजाइनों के लिए निर्देशन, प्रिंट, बनावट और उपरी सहत है। प्रत्येक कहानी को दो वर्गों- होम और अपैरल (परिधान) में विभाजित किया गया है। होम और अपैरल दोनों के लिए विषय के अतिरिक्त पोर्टल में साइज चार्ट, सिलूएट बोर्ड्स, बटन, क्लोजर, सिलाई तथा फिनिश की भी व्यवस्था है।

सीजन और रूझान के अनुसार निर्देश उपलब्ध कराने के लिए सूचना को वर्ष में दो बार अद्यतन किया जाएगा। यह परिकल्पना की गई है कि सूचना न केवल खादी संस्थानों के लिए मूल्यवान हो बल्कि खादी के लिए परिधान विकास, गृह उत्पाद और पैकेजिंग में सहयोग देने वाले संगठनों के लिए भी मूल्यवान हो। पोर्टल में निर्देश रूप में दिखाए गए कपड़ों की बुनाई विभिन्न मोटाइयों के खादी धागों का उपयोग करके की गई है ताकि बनावट और ढांचा तैयार करने की संभावनाओं का पता लगाया जा सके।

मुख्यमंत्री दाई दीदी क्लीनिक : एक लाख से ज्यादा महिलाओं का निःशुल्क इलाज

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री दाई दीदी मोबाइल क्लीनिकों के माध्यम से अब तक राज्य में करीब एक हजार 439 कैम्प लगाएं जा चुके है और इनसे रायपुर, बिलासपुर एवं भिलाई नगर निगम क्षेत्र की गरीब स्लम बस्तियों में रहने वाली एक लाख 6 हजार 700 से अधिक महिलाओं एवं बच्चियों का उनके घर के पास इलाज किया जा चुका है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दाई-दीदी क्लिनिक योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत दाई-दीदी क्लिनिक की मोबाइल मेडिकल यूनिट के वाहन में महिला चिकित्सकों और स्टॉफ की टीम पहुंचती है तथा जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चियों की विभिन्न बीमारियों का नि:शुल्क इलाज कराती है। इन मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा 19 हजार 62 महिलाओं का लैब टेस्ट किया गया तथा एक लाख एक हजार 394 महिलाओं को नि:शुल्क दवाईयां दी गई। इससे गरीब स्लम क्षेत्र में रहने वाली मेहनत मजदूरी करने वाली ऐसी महिलाएं जो कई कारणों से अपना इलाज नहीं पा रही थी। उन्हें इलाज की सुविधा घर के पास ही महिला चिकित्सकों और स्टॉफ के माध्यम से मिल पा रही है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

राजनांदगांव। आईसेक्ट प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र राजनांदगांव में विश्व युवा कौशल दिवस मनाया गया। स्किल हब इनिशिएटिव के अंतर्गत शाला त्यागी बच्चों को कौशल प्रशिक्षण कराया गया। आजादी से अंत्योदय कार्यक्रम के अंतर्गत स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को शॉल एवं फूल से सम्मानित किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलन एवं सरस्वती वंदना से किया गया। विशिष्ट अतिथियों के रूप में मौजूद स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार के सदस्यों सेनानी स्वर्गीय कुंजबिहारी लाल चौबे के पोते दीपक चौबे, पुष्पलता चौबे, कुशाग्र चौबे, कुमारी शुभाषिनी चौबे, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय बुधराम साहू के सुपुत्र सोहन लाल साहू एवं जीआर साहू का सम्मान शॉल एवं फूल भेंट कर किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर खेमलाल वर्मा अपने उद्बोधन में कहा कि हमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग एवं बलिदान से यह आजादी मिली है। हमारा यह दायित्व है कि देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान को हमें हमेशा अपने हृदय में संजोए रखें। उन्होंने युवाओं को कौशल विकास के फायदे बताए।

खास-खबर

जंगल में जुआः छापे में 50 हजार नकद के साथ 9 जुआरी गिरफ्तार

राजनांदगांव (ए)। तुमड़ीबोड़ पुलिस व साइबर सेल की टीम ने जुए की फड़ में दबिश दी है। जहां से 50 हजार 110 रुपए नगद के साथ 9 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 9 मोबाइल फोन और ताशपत्ती भी जब्त की गई है। पुलिस ने बताया कि ग्राम ओड़ारबांध के गोधना जंगल में जुए की फड़ जमे होने की सूचना मिली। इसके बाद साइबर सेल और तुमड़ीबोड़ की टीम ने बुधवार देर शाम संयुक्त रुप से मौके पर छापेमारी की। जहां से जुआ खेलते रविंद्र यदु, मोहन देवांगन, सतीश राव, शैलेंद्र कुमार, राजेश भट्ट, विकास कुमार, भीम सिंह, उत्तम साहू और लीलाधर वर्मा को गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों के पास से 50 हजार 110 रुपए जब्त किय गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। दरअसल लंबे समय से इलाके में जुए की फड़ जम रही थी, लेकिन शिकायतों के बाद पुलिस टीम मौके पर दबिश नहीं दे रही थी। इसी के चलते बुधवार शाम साइबर सेल को मिले इनपुट के आधार पर छापेमारी की कार्रवाई हुई है।

सटोरियों से तंग आकर युवक ने की खुदकुशी

सुसाइड नोट में लिखा- 8 लोग मेरी मौत के जिम्मेदार, फंदे पर लटका मिला शव

भिलाई। भिलाई तीन चरोदा नगर निगम अंतर्गत वार्ड 38 स्टोरपारा में 32 वर्षीय एक युवक ने सटोरियों की प्रताड़ना से तंग आकर सुसाइड कर लिया। जीआरपी को घटना स्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने खुदकुशी के लिए 8 लोगों को जिम्मेदार बताया है। भिलाई तीन जीआरपी से मिली जानकारी के मुताबिक सुभाष स्वाईं पिता जयराम स्वाईं ने गुरुवार को अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। सूचना मिलने पर जब जीआरपी वहां गई तो जांच करने पर उन्हें एक सुसाइड नोट मिला। मरने से पहले सुभाष ने उस नोट में स्टोर पारा के रहने वाले 8 लोगों का नाम लिखा है। इनमें से कई लोग सट्टा खिलवाने का काम करते हैं।

बताया जा रहा है कि सुभाष आदतन शराबी था और सट्टा भी खेलता था। काफी पैसा हार जान से सटोरियों का उसके ऊपर कर्ज चढ़ गया था। कर्ज देने के लिए वह लोग उस पर दबाव बना रहे थे। इससे तंग आकर उसने खुदकुशी कर ली। जीआरपी मामले की जांच कर रही है।

जीआरपी की पूछताछ में यह भी सामने आया है कि सुभाष ने बीमारी से तंग आकर खुदकुशी की है। लोगों ने बताया कि उसकी तबीयत काफी समय से खराब चल रही थी। सिरसा गेट स्थित एक निजी नर्सिंग होम में उसका इलाज चल रहा था। कुछ दिन पहले ही वह वहां से डिस्चार्ज होकर घर आया था। घर आने के बाद उसकी तबीयत फिर से खराब हो गई थी। गुरुवार को जब घर में कोई नहीं था तो उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

रेलवे क्षेत्र में खुलेआम चलता है जुआ सट्टा

रेलवे क्षेत्र स्टोर पारा व उसके आसपास का क्षेत्र जुआ और सट्टा का गढ़ बन गया है। वहां खुलेआम लोग सट्टा पट्टी लिखते हैं। जुआ की फड़ बैठती और खुडखुड़िया तक खिलाया जाता है। इसकी जानकारी जीआरपी और भिलाई तीन पुलिस को भी है। इसके बाद भी इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

कोर्ट ने सुनाई सजाः नाबालिग से अप्राकृतिक कृत्य करने वाले को 20 साल की कैद

दुर्ग (ए)। नाबालिग का अपहरण कर चाकू की नोंक पर अप्राकृतिक कृत्य करने वाले संजय टंडन उर्फ दीपक निवासी रविदास नगर सुपेला को कोर्ट ने 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। आरोपी पर 50,100 का अर्थदंड भी लगाया गया। दंड की राशि जमा नहीं करने पर उसे 1 वर्ष 1 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह फैसला शुक्रवार को न्यायाधीश संगीता नवीन तिवारी की कोर्ट से आया। आरोपी भेलवा तालाब के पास से मछली पकड़ने गए नाबालिग और उसके दोस्तों के पास पहुंच था। कुछ देर तक साथ में खेलने के बाद आरोपी ने घटना को अंजाम दिया।

11 वर्षीय नाबालिग की मां ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी

लोक अभियोजक संतोष कसार के मुताबिक घटना भिलाई नगर थाना क्षेत्र में 14 जनवरी 2020 को प्रकाश में आई थी। 11 वर्षीय नाबालिग की मां ने बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। नाबालिग की मां ने पुलिस को बताया था कि सुबह करीब 11 बजे बेटा अपने पांच दोस्तों के साथ चंदूलाल नर्सिंग हॉस्टल के पीछे नाले में मछली पकड़ने गया था। लेकिन शाम 6 बजे तक घर नहीं लौटा था। इसके बाद वह बेटे के दोस्तों से पूछताछ करने पहुंच गई। इससे पता चला कि मछली पकड़ने के दौरान आरोपी उसके बेटे के अपने साथ ले गया। जब नाबालिग नहीं लौटा तो उसके दोस्त घर लौट आए थे। इस दौरान रास्ते में उन्हें एक महिला मिली। नाबालिगों के दोस्तों ने महिला को पूरी कहानी बताई।

डॉयल 112 से पुलिस को मिली घटना की सूचना

इस पर महिला ने डायल 112 को सूचना दे दी। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने गायब नाबालिग के पांचों दोस्तों को घर पहुंचा दिया था। इसके बाद पुलिस ने 11 वर्षीय नाबालिग की तलाश करना शुरु कर दिया।टीआई सुरेश ध्रुव के मुताबिक घटना के बाद अगली सुबह पीड़ित बालक अपने घर पहुंचा। इसके बाद उसने अपने परिजन को पूरी घटना बताई।

बच्चे के निशानदेही पर पुलिस ने आरोपी की झोपड़ी में दबिश दी। लेकिन आरोपी झोपड़ी में नहीं मिला। आरोपी को पुलिस ने भिलाई नगर रेलवे स्टेशन से पकड़ा। पूछताछ में उसने नाबालिग का चोरी करने के लिए अपहरण करना कबूल किया। आरोपी सुपेला थाने का लिस्टेड बदमाश था। आरोपी नाबालिग का अपहरण करके झोपड़ी में ले गया।

किराना दुकान में चोरी के 4 आरोपी गिरफ्तार

धमतरी (ए)। हफ्तेभर पहले 35 हजार के किराना सहित अन्य सामान की चोरी हो गई। इस मामले के 4 चोरों को पकड़ा गया है। पकड़े गए चोर शहर से लगे गांव के है। आरोपियों से चोरी का कुछ सामान जब्त हुआ है। चोरों को पुलिस ने जेल भेज दिया। यह कार्रवाई अर्जुनी व साइबर टीम ने मिलकर किया है।

पुलिस के मुताबिक 7-8 जुलाई की रात पोटियाडीह में आमापारा निवासी चन्द्रकांत पिता भरतलाल साहू के जय अम्बे किराना दुकान में चोरी हुई। अज्ञात चोरों ने छत के रास्ते दुकान में घुसकर तेल डिब्बा, कैमरा, गैस टंकी मिलाकर 35 हजार 700 रुपए के सामान की चोरी की। पुलिस ने धारा 457, 380 के तहत केस दर्ज किया। जांच शुरू की। मुखबिरों से चोरों के संबंध में जानकारी मिली।

पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति तेल डिब्बा बेचने ग्राहक ढूंढ रहा है। पुलिस ने पकड़ा। पूछताछ में नात वागिश यादव निवासी पोटियाडीह बताया। बताया अपने साथी नागेश पटेल, कुबेरराम साहू, राहूल पटेल के साथ मिलकर हफ्तेभर पहले में चोरी की। चोरी की गैस टंकी लोहरसी निवासी सरोज साहू को बेच दी।

इन चारों चोरों को भेजा जेल

पुलिस ने आरोपी वागिश (28) पिता छन्नूराम यादव गणेश चौक पोटियाडीह, नागेश (21) पिता शंकर पटेल आमापारा पोटियाडीह, कुबेरराम (24) पिता अजुजराम साहू शीतलापारा मुजगहन व राहूल (19) पिता चन्द्रप्रकाश पटेल निवासी रत्नाबांधा को पकड़ा। सभी चोरों को जेल भेजा है।

एप के जरिए बिल अपडेट करने के नाम पर 1.48 लाख की ठगी

भिलाई। स्मृति नगर पुलिस ने शुक्रवार को बीएसपी कर्मी पुष्पेंद्र कुमार निवासी सुंदर नगर कोहका की शिकायत पर दो अज्ञात मोबाइल नंबर धारकों के खिलाफ धारा 420 के तहत केस दर्ज किया है। ऑनलाइन ठग ने मोबाइल पर एक्सेस एप डाउनलोड करवाकर बीएसपी कर्मी के खाते से 1.48 लाख रुपए उड़ा लिए। ठग ने बिजली बिल अपडेट करने का झांसा देकर बीएसपी कर्मी से संपर्क किया था। पुलिस के मुताबिक ठग ने बीएसपी कर्मी के मोबाइल पर एक्सेस एप डाउनलोड करवा लिया था। इसके बाद ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के दौरान ओटीपी की जानकारी जुटाकर खाते से पैसा ट्रांसफर कर लिया।

प्रार्थी ने बताया कि 10 जुलाई को दोपहर 12.41 बजे उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया, जिसमें लिखा था कि उसका जूम महीने का बिल जमा नहीं हुआ है। इस वजह से उसके घर की बिजली कनेक्शन काटा जा रहा है। कार्रवाई रोकने के लिए 09907673508 पर संपर्क करें। जब उक्त नंबर पर संपर्क किया तो ठग ने उसे बताया कि बिज जमा हो गया है,लेकिन सॉफ्टवेयर पर अपडेट नहीं हो पाया है। बिजली बिल अपडेट करने के लिए 30 रुपए का पेमेंट करना होगा। ठग ने अपडेट करने के लिए क्रिक सपोर्ट एप मोबाइल पर डाउनलोड कराया।

एप्लीकेशन डाउन लोड कराने के बाद नेटबैंकिंग के माध्यम से 30 रुपए रिक्यूब प्लैनेट लिमिटेड के अकाउंट में पैसा ट्रांसफर करवा लिया। ठग ने ट्रांजेक्शन के बाद रिफ्रेंस नंबर मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से आने की सूचना दी। इस दौरान लगातार ओटीपी नंबर आ रहे थे। इसके बाद 2.26 बजे मोबाइल नंबर 911412822438 से फोन आया। फोन लगाने वाले ने उसे बताया कि वह एसबीआई से बोर रहा है। इसके बाद उसने मनी ट्रांसफर करने के संबंध में पूछताछ की। मना करने पर उसने बताया कि ऑनलाइन फ्राड हो गया है।

बाइक सवार पर चाकू से हमला

ओवरटेक का विरोध किया तो निकाला चाकू और घुसा दिया पेट में, 2 नाबालिग समेत 3 गिरफ्तार

रायपुर (ए)। रायपुर में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को पकड़ा है। इनमें दो नाबालिग भी शामिल है। सड़क पर बेतरतीब बाइक चलाते इन बदमाशों ने मिलकर एक युवक पर चाकू चला दिया था। गंभीर हालत में युवक अस्पताल में भर्ती है, हमला करने वालों में से एक युवक का पुराना परिचित ही थाा। पुलिस ने इनके खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है।

घटना टिकरापारा इलाके के मठपुरैना रिंग रोड की है। त्रिभुवन सिंह नाम के युवक अभनपुर से रायपुर लौट रहा था। उसी दौरान रिंग रोड पर इसके पुराने साथी सम्मी ने इसे कट मारते हुए अपनी स्पोर्ट्स बाइक दौड़ाई। बदमाशों ने उसे ओवरटेक किया बाइक बेतरतीब ढंग से चलाने की वजह से त्रिभुवन ने इसका विरोध किया बदमाशों ने कुछ दूरी पर त्रिभुवन को रोक लिया। बाइक पर सवार दो नाबालिग और उनका एक साथी सम्मी, त्रिभुवन से मारपीट करने लगे। इसके बाद अपनी कमर में रखा चाकू निकाला और त्रिभुवन के पेट में घुसा दिया। बचने की कोशिश की वजह से त्रिभुवन के हाथ पैर में भी चाकू के कट लगे हैं। राहगीरों ने बीच बचाव किया तो वह भाग गए। सम्मी के बारे में त्रिभुवन ने पुलिस को बताया तो इसे और इसके नाबालिग साथियों को गिरफ्तार किया गया है।

परिजनों लगाया मनमानी का आरोप

पुलिस के मुताबिक नाबालिग सम्मी के साथ ही वारदात के वक्त मौजूद थे। घटना में ये भी शामिल थे। शुक्रवार को कुछ परिजन इस मामले में टिकरापारा थाने आकर हंगामा करने लगे उनका दावा था कि पुलिस बच्चों को फंसा रही है। पुलिस ने शिकायतकर्ता त्रिभुवन के बारे में बताया परिजनों को नियमों का हवाला देते हुए शांत करवा कर भेजा गया। अब इस मामले में पुलिस अदालती कार्रवाई कर रही है।

प्रेमी संग मंदिर से लौट रही किशोरी का अपहरण कर 4 युवक ने किया दुष्कर्म

कोरबा। प्रेमी के साथ सर्वमंगला मंदिर से वापस लौट रही एक 15 साल की किशोरी का रास्ते से दो बाइक में सवार चार युवकों ने अपहरण कर लिया। उसके प्रेमी ने कुछ दूर तक पीछा किया पर उसकी आंखों से आरोपित ओझल हो गए। कनकी मार्ग में स्थित सूने डंपिंग यार्ड में ले जाकर तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिन दहाड़े इस घटना को अंजाम दिया गया। चार जुलाई को दोपहर 12 बजे कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली किशोरी अपने प्रेमी के साथ बाइक में सर्वमंगला मंदिर गई थी। वहां से वापस लौटते वक्त लघु शंका करने राताखार के पास सूने स्थान में रूकी। पीड़िता के अनुसार जैसे वह झाड़ियों के बीच गई। दो युवक बाइक में पहुंचे और उसका हाथ पकड़ कर जबरदस्ती खींचने लगे। उसने विरोध किया, तब तक थोड़ी दूर ही खड़ा उसका प्रेमी भी पहुंच गया। उसने अपने प्रेमिका को छोड़ देने के लिए दोनों युवकों के सामने गिड़गिड़ाया, पर वे नहीं माने। फोन से संपर्क अपने अन्य दो साथियों बुला लिए। इसके बाद स्वजनों को उसके प्रेमी की जानकारी देने बात कह चारों युवक ने किशोरी को डराया धमकाया और अपने साथ जबरदस्ती बाइक में बैठा कर ले गए।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक–3770 /NIT–16/2022–2023/व ले लि दिनांक : 12.07.2022

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :– 22.07.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– 27.07.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :– 29.07.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/No Of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.गे)
1	2	3
16 T0084	बेमेतरा–नवागढ़–मुंगेली (राज्य मार्ग क्र. 07) के किमी 16/8–10 एवं 18/8 में ब्लैक स्पॉट सुधार कार्य	19.99 15000.00
16 T0085	बेमेतरा–नवागढ़–मुंगेली मार्ग (राज्य मार्ग क्र. 7) के किमी 19/8, 20/2 एवं 34/2 में ब्लैक स्पॉट सुधार कार्य	19.99 15000.00
16 T0086	बेमेतरा–नवागढ़–मुंगेली मार्ग (राज्य मार्ग क्र. 07) के किमी 16/8–10 एवं 18/8 में डामरीकरण कार्य	19.98 15000.00
16 T0087	बेमेतरा–नवागढ़–मुंगेली मार्ग (राज्य मार्ग क्र. 07) के किमी 19/8, 20/2 एवं 34/2 में डामरीकरण कार्य	19.98 15000.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाइट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-92972/4

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

क्रमांक–10548/व.ले.लि./लेखा खण्ड/2022–23 दुर्ग, दिनांक 13/07/2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:–

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :– 25.07.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :– 27.07.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– 04.08.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :– 05.08.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम / No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
9 T0048	शासकीय पॉलिटेक्निक दुर्ग के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में रंगाई पोताई, डिस्टेम्परिंग एवं खिड़की दरवाजे में पेंटिंग का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00
9 T0049	शासकीय पॉलिटेक्निक दुर्ग में साधारण मरम्मत का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00
9 T0050	शासकीय पॉलिटेक्निक दुर्ग में विशेष मरम्मत का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	20.00

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोटः– (1) " It is mandatory for the "B", "C" & "D" Class bidders, to submit (Annexure 3, Annexure- "2"
(2) It is Mandatory for the "A" Class bidder, to submit affidavit (Annexure 3, Appendix 1, Annexure 1,2.
(3) अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-93001/5

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग संभाग, दुर्ग

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006
Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

कल मधु लिमये जन्म शताब्दी समारोह समिति द्वारा संगोष्ठी का आयोजन प्रेसक्लब रायपुर में

भिलाई। आगामी 17 जुलाई रविवार दोपहर 11.30 बजे रायपुर प्रेसक्लब मोतीबाग कान्फ्रेन्स हाल में स्व. मधु लिमये को याद करने हेतु संगोष्ठी का आयोजन मधु लिमये जन्म शताब्दी समारोह समिति द्वारा किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में मौजूद लिमये जी की स्मृतियां दुरस्त अंचलों तक फैली है। छत्तीसगढ़ में लोहिया जी के समाजवादी आंदोलन में उनकी सहभागिता अविस्मरणीय है। संगोष्ठी में समाजवादी साथी एवं बुद्धजीवी इकठ्ठे होकर मधुजी की स्मृति को साझा करेंगे। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथिगण श्रीगिरजा शंकर जी वरिष्ठ पत्रकार, राजनाथ शर्मा जी (अध्यक्ष - मधु लिमये जन्मशताब्दी समारोह समिति), रमेश नैय्यर जी वरिष्ठ पत्रकार छत्तीसगढ़, प्रदीप चौबे पूर्व विधायक, श्री हरीश केडिया जी बिलासपुर एवं संगोष्ठी की अध्यक्षता श्री रघु ठाकुर संरक्षक मधु लिमये जन्म शताब्दी समारोह समिति करेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के रायगढ़, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी, भिलाई, दुर्ग क्षेत्र से समाजवादी कार्यकर्ता मधु लिमये जन्म शताब्दी समिति के सदस्य बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। स्व. मधु लिमये जन्म शताब्दी समारोह समिति छत्तीसगढ़ के सदस्य मातामणि तिवारी एवं अशोक पंडा ने संयुक्त रूप से प्रेस को बताया।

कुडो चैंपियनशिप तालपुरी ए-ब्लॉक के बच्चों ने जीते 3 स्वर्ण

दुर्ग। रविवार 10 जुलाई को हुए एक दिवसीय जिला स्तरीय कुडो चैंपियनशिप विवेकानंद सांस्कृतिक भवन पद्मनाभपुर में सम्पन्न हुआ जिसमें तालपुरी ए-ब्लॉक के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर 3 स्वर्ण. 1 रजत और 1 कांस्य पदक जीत कर पुरे दुर्ग-भिलाई शहर में तालपुरी कॉलोनी का नाम रौशन किया बालिका वर्ग में अंडर 10 वर्ष में गार्गी सिंह स्वर्ण. आराध्या त्रिपाठी रजत. बालक वर्ग में अंडर 10 वर्ष में अयांस महतो स्वर्ण. विजयंत सिंह राठौर कांस्य पदक वही अंडर 14 बालक वर्ग में प्रणव सिंह ने स्वर्ण पदक जीत कर पुरे तालपुरी का नाम रौशन किया. कुडो एसोसिएशन भिलाई की अध्यक्ष ऋचा सिंह ने बताया की यह सभी विजयी खिलाड़ी अगस्त माह में होने वाले राज्य स्तरीय कुडो चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे।

स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के गोदामों में उपलब्ध कराई जाएगी आधुनिक सुविधाएं

स्टोरेज केपेसिटी का हो शत प्रतिशत उपयोग भंडारण व्यवस्था में चूक न करें : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के चेयरमेन अरुण वोरा ने आज नवा रायपुर स्थित मुख्यालय में आज पूरे प्रदेश के नोडल अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में प्रदेश के सभी गोदामों में उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की गई। बारिश के मौसम में गोदामों में अनाज के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में नवनियुक्त एमडी सत्यनारायण राठौर ने चेयरमेन अरुण वोरा का स्वागत किया। करीब तीन घंटे तक चली बैठक में कार्पोरेशन के कामकाज और गोदामों में उपलब्ध सुविधाओं की बारीकी से समीक्षा की गई।

वोरा ने मुख्यालय में पदस्थ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि कार्पोरेशन के कामकाज में कसावट लाना आवश्यक है। वे अपने-अपने प्रभार वाले कार्यों की मॉनिटरिंग करें। किसी भी स्तर पर चूक या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी अनुभवी हैं। गोदामों में रखरखाव की क्वालिटी का स्तर बेहतर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास करें।

सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें और स्टेट वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन की उपलब्धियों को नया आयाम दें। एमडी सत्यनारायण राठौर ने अधिकारियों को गोदामों में रखरखाव की गुणवत्ता का स्तर बेहतर बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गोदामों की स्टोरेज क्षमता का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। जिन स्थानों पर बने गोदामों में स्टोरेज की अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध है, वहां पूर्ण क्षमता का उपयोग करने के उपाय किये जाएं। इसके लिए नोडल अधिकारी अपने क्षेत्र के गोदामों में ब्रेवरेज आदि के स्टोरेज के प्रयास करें। बैठक में दुर्ग के गंजपारा स्थित पुराने और जर्जर गोदाम को उपयोगी बनाने पर विचार विमर्श किया गया।

बैठक में गोदामों में सीसीटीवी लगाने, सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था, धर्मकांटा की उपलब्धता व अग्निशामक यंत्र, पावर स्प्रे सहित अन्य उपकरणों व गोदाम भवन में उपलब्ध सुविधाओं की विस्तार से जानकारी ली गई। कई नोडल अधिकारियों ने कहा कि कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर गोदामों का विस्तार करने की जरूरत है।

नोडल अधिकारियों ने बताया कि बालोद, राजनांदगांव, रायगढ़, डोंगरगढ़ सहित कई गोदामों में लीकेज मरम्मत सहित अन्य निर्माण कार्य कराने की दरकार है। चेयरमेन और एमडी ने अतिरिक्त गोदाम निर्माण का प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये। उन्होंने मरम्मत के सभी कार्यों को तत्काल पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी गोदामों में सुविधाएं बेहतर की जाएगी। गोदामों में छोटी-मोटी कमियां है, उन्हें दूर किया जाएगा।

शहर के अंतिम वार्ड हुडको में सीवरेज लाइन का निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर अल सुबह हुडको क्षेत्र के निरीक्षण के लिए पहुंचे। शहर के अंतिम वार्ड क्रमांक 70 हुडको में उन्होंने सीवरेज लाइन का जायजा लिया। बीएसपी के पंप हाउस का भी निरीक्षण निगमायुक्त ने किया। इस दौरान जोन आयुक्त एन आर रत्नेश, प्रभारी कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, उप अभियंता श्वेता माहेश्वर एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीके सैमुअल आदि मौजूद रहे। हुडको में निगमायुक्त ने सीवरेज लाइन एवं पंप हाउस के वर्किंग की जानकारी ली, सीवरेज के पानी को सक करने के बारे में उन्होंने अधिकारियों से पूछा, पंप हाउस की वर्तमान कार्यप्रणाली से अवगत हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर सफाई व्यवस्था का जायजा अधिकारियों के साथ लिया। जलभराव की स्थिति का मुआयना कमिश्नर ने किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था दुरुस्त रहें। गली, मोहल्लों के साथ ही प्रमुख सड़कों से कचरा प्रतिदिन उठाना सुनिश्चित करें। इस दौरान निगमायुक्त ने पब्लिक से भी फीडबैक लिया। स्थानीय रहवासियों ने समस्याओं से निगमायुक्त को अवगत कराया। बीएसपी क्षेत्र के इलाकों में बीएसपी प्रबंधन से समन्वय बनाकर कार्य करने की उन्होंने निर्देश दिए।

वायर रॉड मिल में विभागीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के वायर रॉड मिल में दिनांक 09 जुलाई, 2022 को विभागीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (मर्चेंट मिल एवं वायर रॉड मिल) अजय बेदी उपस्थित थे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (वायर रॉड मिल) जेबियर बेक, महाप्रबंधक (प्रचालन) राजेश राजधर, महाप्रबंधक (विद्युत) सुश्री अनुपमा कुमारी, महाप्रबंधक (विद्युत) एवं हिंदी समन्वय अधिकारी प्रणव कुमार, उप महाप्रबंधक (प्रचालन) व्ही श्रीकृष्णा, सहायक प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन-राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी तथा अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे। मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (मर्चेंट मिल एवं वायर रॉड मिल) श्री अजय बेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और हमारे प्रदेश छत्तीसगढ़ की प्रमुख भाषा है। हमारे समस्त कार्मिक हिंदी बोलने समझने में सुविधा व सहजता का अनुभव करते हैं। हिंदी जन-जन की भाषा है, इसमें कार्य करना गर्व की बात है। पूरे देश को तीन भागों में चिह्नित किया है। हम 'क' क्षेत्र में निवासरत हैं, अत: हमें शत-प्रतिशत हिंदी में कार्यव्यवहार करना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारम्भ में उपस्थित अतिथियों का स्वागत विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारी श्री प्रणव कुमार ने किया।

विकास कार्यों की महापौर एवं आयुक्त ने की समीक्षा प्रगतिरत कार्य को शीघ्र करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल आयुक्त प्रकाश सर्वे ने निगम क्षेत्र में जारी विकास कार्यों को लेकर डाटा सेंटर में बैठक आयोजित की। निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में हो रहे विकास कार्यो से संबंधित शीघ्रता से निराकरण करने कहा। प्रधानमंत्री आवास, गोठान और आजीविका गतिविधियों को गंभीरता से लेकर कार्य करने के निर्देश दिए।

निगम के सभागार में आज महापौर धीरज बाकलीवाल एवं निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने लोक कर्म प्रभारी अब्दुल गनी के मौजूदगी में इंजीनियरों के साथ निगम क्षेत्र में विकास कार्यो की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सभी वार्डो में विकास कार्यो से संबंधित अधिकारीयो से कार्यों की जानकारी लेते हुए शासन की योजनाओं को हर व्यक्ति को लाभान्वित कराने के उददेश्य लेकर कार्य करने कहा। बैठक में विकास कार्यो की समीक्षा के दौरान महापौर ने अधोसंचरना मद के तहत विकास कार्यो के साथ विकास कार्य और सभी वार्डों पर प्रस्तावित कार्यो पर विस्तार से चर्चा की,14 वे वित्त का कार्य,15 वे वित्त,अधोसंरचना,महापौर निधि,पार्षद निधि संधारण मद सभी कार्यों को समय सीमा में करने डीएमएफके कार्यों को भी समय सीमा पर करवाये, विकास कार्यों को गुणवत्ता हो।अप्रारंभ कार्यों को तत्काल प्रारंभ करने के लिए निर्देश दिए समस्त अपूर्ण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए। शहर में मूलभूत व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए शहर के वार्डों में हो रहे विकास कार्यो को निरन्तर कार्य जारी रखने पर जोर दिया। इंजीनियर अपने अपने वार्डों में कार्यों की मॉनिटरिंग करते रहे।महापौर ने कहा विकास कार्यों में लेटलतीफी बर्दास्त नही की जाएगी,आयुक्त ने कहा कार्यो के प्रति लापरवाही करने वाले इंजीनियरों के विरुद्ध होंगी शख्त कार्यवाही।बैठक में उपस्तित कार्यपालन अभियंता प्रमोद दुबे,प्रभारी कार्यपालन अभियंता शंकर दयाल शर्मा,स्वेता महलवार,मोहित मरकाम,पंकज साहू,करण साहू,शुभम गोइर समेत अन्य मौजूद थे।

शहीद कपिल देव के नाम पर होगा नेहरू नगर का मैदान शहीद की यादों को संजोने महापौर नीरज पाल ने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विगत 03 जुलाई को इंफाल लैंडस्लाइड की चपेट में आने से भिलाई के रहने वाले लेफ्टिनेंट कर्नल कपिल देव पांडे शहीद हो गए। 107 बटालियन गोरखा राइफल्स मणिपुर में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद रहे शहीद कपिलदेव की स्मृतियों को संजोने भिलाईनगर विधायक देवेन्द्र यादव की अनुशंसा से महापौर नीरज पाल ने महत्वपूर्ण घोषणा की है।

भिलाई स्थित उनके निवास के समीप बड़ा मैदान है जो कि स्टेडियम बनना प्रस्तावित है जिसे अब शहीद कपिलदेव पांडे मैदान के नाम से जाना जाएगा। शहीद को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करने गुरूवार को महापौर श्री पाल उनके भिलाई निवास पहुंचे थे। महापौर नीरज पाल ने भिलाई की धरती में जन्मे, पले बढ़े शहीद कर्नल को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शहीद की माता श्रीमती कुसुम पांडे, पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल छवि पांडे, बहन भावना पांडे सहित पूरे परिवार के साथ संवेदनाएं व्यक्त की। महापौर ने कहा कि शहीद कपिलदेव ने भारतीय सेना के कई महत्वपूर्ण मोर्चे में अपना योगदान दिया है, शहर के ऐसे वीर सपूत के शहादत को भूलाया नहीं जा सकता, इसलिए उनके सम्मान में उनकी स्मृतियों को हमेशा के लिए संजोए रखने के लिए नेहरू नगर पूर्व स्थित उनके निवास के समीप प्रमुख मैदान को शहीद कर्नल कपिलदेव पांडे के नाम से जाना जाएगा।

आकाशगंगा सब्जी मंडी की शिफ्टिंग के लिए महापौर नीरज पाल एवं सब्जी व्यापारी संघ के मध्य हुई सार्थक चर्चा

महापौर ने नए स्थल पर शिफ्टिंग के लिए बेहतर कार्य योजना बनाने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत आकाशगंगा सब्जी मंडी की शिफ्टिंग की तैयारियां तेज हो गई है। इसके लिए आज निगम के सभागार में सब्जी मंडी के व्यापारी संघ के पदाधिकारियों के साथ महापौर नीरज पाल एवं निगम के अधिकारियों की बैठक हुई। महापौर नीरज पाल ने कहा कि नए स्थान पर शिफ्टिंग के लिए बेहतर कार्य योजना तैयार किया जाए और शीघ्र, अतिशीघ्र इसकी सारी प्रक्रियाएं की जाए।

गौरतलब है कि काफी समय से आकाशगंगा सब्जी मंडी को शिफ्ट किए जाने पर पहल की जा रही थी, सब्जी मंडी व्यापारी संघ के पदाधिकारी भी सब्जी मंडी की शिफ्टिंग को लेकर काफी समय से मांग कर रहे थे, जिसको लेकर समय-समय पर व्यापारी संघ से चर्चा भी हुई है, आज की बैठक के बाद सब्जी मंडी की शिफ्टिंग को लेकर अटकलें तेज हो गई है। बैठक में सब्जी मंडी व्यापारी संघ के साथ नवीन सब्जी मंडी में सुविधाओं को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। नए सब्जी मंडी में व्यापारी संघ ने दुकानों का निर्माण अलग-अलग 3 साइज में जरूरत के मुताबिक करने, नीलामी के लिए शेड निर्माण, लोडिंग एवं अनलोडिंग के साथ पार्किंग की सुविधा, शौचालय की व्यवस्था के साथ ही बाहर से आने वाले किसानों के लिए अस्थाई तौर पर ठहरने की व्यवस्था, प्रवेश और निकास द्वार की मांग को लेकर निगम के अधिकारियों से चर्चा की। महापौर ने कहा कि बेहतरीन कार्य योजना के साथ नई सब्जी मंडी तैयार होगा। नए स्थान पर सब्जी मंडी के लिए जरूरतों के मुताबिक कार्य किए जाने पर चर्चा की गई। आकाशगंगा सब्जी मंडी में जिन्हें थोक सब्जी व्यवसाय के लिए आबंटित किया गया है उनका सर्वे भी किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा एवं निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने आकाशगंगा सब्जी मंडी का निरीक्षण किया था, इस दौरान शिफ्टिंग को लेकर व्यापारी संघ ने कलेक्टर से चर्चा की थी। आज की बैठक में अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, उपायुक्त रमाकांत साहू, जोन आयुक्त मनीष गायकवाड, उप अभियंता श्वेता वर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी परमेश्वर चंद्राकर, सब्जी मंडी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अमृत कुकरेजा, सचिव दाऊ लाल देवांगन, रंजीत सिंह, राकेश एवं त्रिलोक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

केरल, बंगाल सहित अन्य राज्यों से पहुंचती है सब्जियां आकाशगंगा सब्जी मंडी में केरल, बंगाल, यूपी महाराष्ट्र एवं अन्य राज्यों से सब्जियां पहुंचती है। आकाशगंगा सब्जी मंडी में रोजाना डेढ़ सौ बड़े वाहन तथा ढाई सौ से तीन सौ छोटे वाहनों का आना-जाना सब्जियों के परिवहन के लिए लगा होता है। आकाशगंगा सब्जी मंडी मोड़ के पास सुबह में कई दफा जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है, जिसको देखते हुए व्यवस्थापन आयश्यक हो गया है। वहीं कई बातों को लेकर सब्जी मंडी के व्यवस्थापन की मांग उठती रही है।

लेकिन अब मंडी के व्यवस्थापन पर विशेष फोकस किया जा रहा है, आज निगम के अधिकारी एवं सब्जी मंडी के व्यापारियों के संघ के बीच महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई है। सब्जी मंडी के लिए नए स्थल की प्लानिंग नए कार्य योजना के साथ की जा रही है जिसमें नए सब्जी मंडी के लिए जरूरी बातों का ध्यान रखा जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950